RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 203 , शनिवार, 05 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

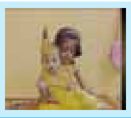
धूमधाम से मनाई गई श्री कृष्ण जन्माष्टमी भक्ति, भजन और झांकियों से गूंजा पूरा शहर 03

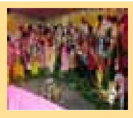
सदियों पुरानी परंपरा के बीच पदुमकेर में गूंजा 'नंद के घर आनंद भयो' 04

अक्षय कुमार की भांजी सितर भाटिया को मिली दूसरी फिल्म, अभिनेता... 07

चांद तक पहुंच गए पर जाति व्यवस्था अब भी हैं कायम

सफाई के दौरान मौतों को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

मुंबई (एजेंसी)। सीवर और नालों की सफाई के दौरान होने वाली मौतों को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि 21वीं सदी में भारत चांद के दूसरे हिस्से तक पहुंचने की बात करता है। पर देश में जाति व्यवस्था जैसी सामाजिक बुराई अब भी मौजूद है। यही व्यवस्था एक खास समुदाय के लोगों को पीढ़ियों से अमानवीय काम करने के लिए मजबूर करती है।

इसे देखते हुए कोर्ट ने सरकार को छह महीने के भीतर सफाई के दौरान मारे गए सभी श्रमिकों की पहचान करने का निर्देश दिया है। प्रत्येक मृतक के आश्रितों को 30 लाख रुपये मुआवजा देने के साथ उनके पुनर्वास की व्यवस्था करने का भी आदेश दिया गया है।

स्थानीय निकाय मृतक के आश्रितों को तत्काल मुआवजा देंगे

बेंच ने स्पष्ट निर्देश दिया कि यदि खतरनाक सफाई के दौरान किसी कर्मचारी की मौत होती है तो राज्य या स्थानीय निकाय मृतक के आश्रितों को तत्काल मुआवजा देंगे और बाद में संबंधित निजी व्यक्ति, संस्था या ठेकेदार से राशि वसूल सकते हैं। बेंच ने कहा कि सरकार और स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी केवल मुआवजा देने तक सीमित नहीं है। उन्हें 2013 के कानून के तहत सफाईकर्मियों और उनके आश्रितों के पुनर्वास के लिए प्रभावी कदम उठाने होंगे।

अंतरिक्ष में स्थापित हुआ देश का पहला जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट

36 हजार किमी दूर से तस्वीरें लेने में है सक्षम, देश के लिए बड़ी उपलब्धि

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार देर रात 2.55 बजे ईओएस-05 इमेजिंग सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसे श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ 17 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया। ईओएस-05 करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई पर जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में रहकर तस्वीरें लेगा। ऐसा करने वाला भारत का यह पहला सैटेलाइट है। इससे पहले भारत के सभी इमेजिंग सैटेलाइट निचली कक्षा में थे। ईओएस-05 भारत और आसपास के बड़े इलाकों की लगातार तस्वीरें भेज सकेगा। इससे पाकिस्तान-चीन सीमा समेत संवेदनशील और रणनीतिक इलाकों पर नजर रखने में मदद मिलेगी। सैटेलाइट का इस्तेमाल बाढ़, चक्रवात और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी के लिए भी किया जाएगा।

ट्रांसफर ऑर्बिट में पहुंचा ईएसओ-05

जीएसएलवी-एफ17 भारत के जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल कार्यक्रम की 19वीं उड़ान थी। ईओएस-05 को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के सेकेंड पैड से लॉन्च किया। ईओएस-05 लॉन्च के करीब 18 मिनट बाद सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में पहुंचा दिया गया। इसके बाद सैटेलाइट को 36000 किमी पर मौजूद अपनी अंतिम कक्षा तक पहुंचना है। दो खास कैमरों से बड़े इलाके की निगरानी होगी।

नेपाल में 9 दिन बाद सुरंग से जिंदा निकले 2 मजदूर

आवाज सुनकर रेस्क्यू टीम ने बचाया

काठमांडु (एजेंसी)। नेपाल बाढ़ के 9 दिन बाद त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग से 2 मजदूर जिंदा निकाले गए हैं। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू टीम ने दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। उनकी पहचान संजय साह और कबीर महर्जन के रूप में हुई है। बाढ़ के बाद सुरंग में 42 कर्मचारी और मजदूरों के फंसे होने की जानकारी सामने आई थी। दो लोगों के जिंदा मिलने के बाद बचाव अभियान में उम्मीद बढ़ी है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सुरंग के भीतर से इंसानी आवाज सुनाई देने की सूचना मिली थी। इसके बाद नेपाल सेना और सशस्त्र पुलिस बल की टीमें सुरंग में दाखिल हुईं और तलाशी अभियान तेज किया।

- **चितवन जिले में सबसे ज्यादा शव बरामद, 95 की पहचान-** नेपाल के बाढ़ प्रभावित इलाकों में शवों की बरामदगी का अभियान जारी है। चितवन जिले में सबसे ज्यादा शव मिले हैं, जबकि अब तक बरामद शवों में से 95 की पहचान की जा चुकी है। प्रशासन और बचाव दल लापता लोगों की तलाश के साथ शवों की पहचान और उनके परिजनों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में जुटे हैं। कबीर महर्जन 25 अगस्त की सुबह त्रिशूली-3ए में मेंटेनेंस के काम के लिए गए थे। उनकी पत्नी ने कहा कि ऐसा लगा जैसे उनके पति को दूसरी जिंदगी मिल गई हो।

देश भर में गूंजी बधाइयां, अवतरित हुए नंद नंदन

- ब्रज में छाया उल्लास...मथुरा में नंदोत्सव की धूम
- जगन्नाथ पुरी-द्वारका तक जय कन्हैयालाल की गूंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम रही। 4 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण का 5253वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मथुरा-वृंदावन से लेकर जगन्नाथ पुरी और द्वारका तक जन्माष्टमी की धूम रही। उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि, द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर, दिल्ली के इस्कॉन मंदिर और जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर में मंगला आरती हुई। काशी के इस्कॉन मंदिर में श्रद्धालुओं की 1 किलोमीटर लंबी लाइन लगी रही। अहमदाबाद के इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर खास तैयारियां की गई थीं। इस बार 300 ड्रोन के जरिए भगवान कृष्ण की दो-तीन लीलाएं दिखाई गईं। इसके अलावा मंदिर में 5 मिनट का 7डी शो हर आधे घंटे में दिखाया गया। इसमें लाइट और साउंड इफेक्ट के साथ बारिश का अनुभव भी कराया गया। वहीं, बिहार के पटना स्थित इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी के मौके पर 108 चांदी के कलश से भगवान कृष्ण का अभिषेक किया गया। मंदिर की सजावट के लिए बेंगलुरु, पुणे और कोलकाता समेत विदेशों से अलग-अलग तरह के करीब 8 टन फूल मंगाए गए थे। सुरक्षा के लिए मंदिर परिसर में 150 से ज्यादा कैमरों से निगरानी की जा रही है। मथुरा के नंदगांव में जायौ जसोदा जलेबी सी रानी ने, आज रबड़ी सी रात में लडुआ सौ लाला, ऐसे मधुर पदों की गूंज सुनाई दो रही थी।

उफान पर प्रमुख नदियां

हर ओर पानी ही पानी

- यूपी में 23 जिलों में बाढ़,16 हजार का रेस्क्यू
- एमपी में मंदाकिनी-नर्मदा उफान पर,संकट बढ़ा

बिहार में 5 लाख प्रभावित,हिमाचल में हाहाकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। वाराणसी और चित्रकूट सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से रेस्क्यू किया जा चुका है।

बिहार के 16 जिलों में बाढ़ से करीब 5 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत 8 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसे देखते हुए पटना सुरक्षा दीवार के सभी 108 रास्तों को बंद कर दिया गया है, ताकि नालों के जरिए शहर में पानी न घुसे।

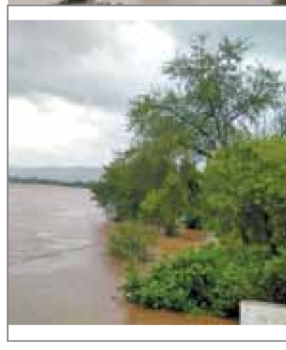

बंगाल में जमीन धंसने से 14 ट्रेनें रद्द

पश्चिम बंगाल के न्यू फराबक्का में जमीन धंसने से 4 सितंबर को रवाना होने वाली 14 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। इनमें हावड़ा-गुवाहाटी साराईघाट एक्सप्रेस, सियालदह-बामनहाट उत्तरबंगा एक्सप्रेस, सियालदह-अलीपुरद्वार कंचनकन्या एक्सप्रेस, सियालदह-सहरसा हाटे बाजार एक्सप्रेस, दार्जिलिंग मेल, हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस और हावड़ा-कटिहार एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले अपनी ट्रेन का स्टेटस जांचने की अपील की है।

उत्तराखंड में मुस्लिमों के लिए नया निकाहनामा

मस्जिदों में निकाह पढ़ाने वाले मौलाना को वक्फ बोर्ड का फैसला मानना जरूरी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मुस्लिमों के लिए नया निकाहनामा जारी किया जाएगा। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद ये फैसला लिया है। बोर्ड अब नया निकाहनामा जारी करेगा, जिसमें सिर्फ एक निकाह का उल्लेख होगा।

नए नियम का पालन नहीं करने पर सजा का भी प्रावधान है। वक्फ बोर्ड के नए निकाहनामे को मस्जिदों में निकाह पढ़ाने वाले मौलाना को मानना जरूरी होगा। उत्तराखंड में धामी सरकार ने यूसीसी लागू किया है। यूसीसी नियमों के तहत अब एक समय में सिर्फ एक ही विवाह मान्य होगा।

यूसीसी लागू होने के बाद बहुविवाह पर रोक

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स ने कहा है कि सीएम पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बना है। यूसीसी लागू होने क बाद बहुविवाह पर रोक लग गई है, तीन तलाक पर पाबंदी है और हलाला जैसी प्रथाओं को अपराध माना गया है। यूसीसी में एक विवाह के प्रावधान को लेकर जो नियम बनाए गए हैं, उसी के तहत निकाहनामा तैयार किया जा रहा है।

यूके में संघ चीफ मोहन भागवत का वेलकम

ब्रिटिश सांसद बोले- उन्हें सुनकर बहुत खुशी हुई

लंदन (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत तीन देशों के दौरे के आखिरी चरण में गुरुवार को लंदन पहुंचे। संघ के शताब्दी समारोह के तहत अमेरिका और कनाडा के बाद उनका ब्रिटेन में कार्यक्रम है। आरएसएस प्रमुख के इस सप्ताह के आखिर में ब्रिटेन में प्रवासी भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करने की उम्मीद है। इस बीच ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी के अहम नेता ने मोहन भागवत की यात्रा का समर्थन दिया है।

ब्रिटिश सांसद ने की सोशल मीडिया पोस्ट- कंजर्वेटिव पार्टी से 5 बार के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा है कि उन्हें संगठन के भविष्य पर आरएसएस चीफ के विचार सुनकर खुशी हुई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में ब्लैकमैन ने कहा,आज शाम संघ चीफ डॉ. मोहन भागवत द्वारा आरएसएस के भविष्य के लिए रखे गए विचारों और सोच को सुनकर खुशी हुई। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ जब न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वॉयर गार्डन में 29 अगस्त को कार्यक्रम हुआ।

मिथुन दा बने बंगाल सरकार के सांस्कृतिक सलाहकार

कोलकाता (एजेंसी)। बॉलीवुड और बांग्ला फिल्मों के स्टार मिथुन चक्रवर्ती पशिचम बंगाल सरकार के नए सांस्कृतिक सलाहकार नियुक्त किए गए हैं। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को न्यू टाउन में उत्तम कुमार फिल्म सेंटर की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में यह घोषणा की।

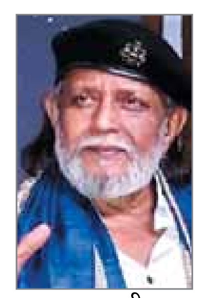

यह कार्यक्रम मशहूर एक्टर उत्तम कुमार की जन्म शताब्दी मनाने के लिए आयोजित किया गया था। बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती को बंगाल सरकार पहले ही उत्तम कुमार की जन्म शताब्दी समारोह के लिए बनाई गई एक विशेष समिति का संरक्षक बनाया है।

नेपाल बाढ़ संकट

लापता लोगों के शव गंडक के रास्ते पहुंच रहे सोनपुर

- भयावह दृश्य ने खड़े किए लोगों के रोंगटे
- प्रशासन की संवेदनहीनता पर स्थानीय लोगों में आक्रोश

सारण (एजेंसी)। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और तबाही के बाद लापता लोगों की तलाश में उनके स्वजन जहां-तहां भटक रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गंडक नदी की तेज धारा कई परिवारों के अपनों के शवों को बहाकर सोनपुर तक ला रही है। सोनपुर के कालीघाट के समीप माही नदी की धारा में फंसे कुछ शवों को कुत्ते और जंगली जानवर नोच-नोचकर खा रहे हैं। घटनास्थल का यह भयावह दृश्य मानवता को झकझोर देने वाला है और इसे देखकर लोगों के रोंगटे खड़े हो जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, नेपाल में आई बाढ़ के बाद गंडक नदी में पानी के साथ मलबा आ रहा है।

शवों को जानवरों द्वारा नोचे जाने से आक्रोश

कालीघाट के समीप नदी किनारे शवों को जानवरों द्वारा नोचे जाने का दृश्य देखकर स्थानीय लोगों में आक्रोश भी है। लोगों ने प्रशासन और पुलिस से तत्काल मौके पर पहुंचकर शवों को नदी से बाहर निकालने, उनकी पहचान कराने और पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। नेपाल की त्रासदी का दर्द अब गंडक की धारा के साथ सोनपुर तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। नदी किनारे पड़े शव और उन्हें नोचते जानवर भयावहता बता रहे हैं।

माही नदी के रास्ते में फंस गए हैं कुछ शव

सोनपुर के कालीघाट के समीप माही नदी के रास्ते में कुछ शव फंस गए हैं। शवों के कई दिनों से पड़े रहने के कारण उन्हें जानवर नोच रहे हैं, जिससे आसपास का माहौल बेहद भयावह बना हुआ है। सबसे गंभीर बात यह है कि कालीघाट के समीप ही हरिहरनाथ थाना स्थित है। इसके बावजूद स्थानीय लोगों का आरोप है कि शवों के नदी में फंसे होने और जानवरों द्वारा उन्हें नोचे जाने की जानकारी पुलिस तक नहीं पहुंची या पुलिस ने इस ओर अब तक गंभीरता नहीं दिखाई। थाना से महज कुछ दूरी पर इस तरह शवों की दुर्दशा होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

72 घंटे से पहले स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरेच जनता पार्टी ने शुक्रवार को दिल्ली में संसद मार्ग थाने पर धरना दिया है। सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका अपने समर्थकों के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचे और निशु के लिए न्याय की मांग की। सांसद चंद्रशेखर आजाद भी सीजेपी के समर्थन में पहुंचे हैं। सीजेपी की निशु आजाद के वकील ऋषव रंजन ने बताया कि आज पुलिस के साथ मीटिंग हुई। मीटिंग में एडिशनल एसपी मंजीत शर्मा की मौजूदगी में हमने मौजूदा एफआईआर में हत्या की कोशिश, क्रिमिनल धमकी और एससी/एसटी एक्ट की संबंधित धाराएं जोड़ने की मांग की हैं। इसके बाद गिरफ्तारी हो गई है।

मुसलमानों की एंट्री नहीं, आने वालों के लिए तिलक जरूरी

महाराष्ट्र में नवरात्रि कार्यक्रमों के लिए वीएचपी का नया नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम में सार्वभौमिक एकता का संदेश दिया था। इसके एक हफ्ते के बाद, विश्व हिंदू परिषद ने महाराष्ट्र में नवरात्रि उत्सव के दौरान मुसलमानों को गरबा और डांडिया कार्यक्रमों में भाग लेने से रोकने और उपस्थित लोगों पर सख्त नियम लागू करने का फैसला किया है। संगठन ने आयोजकों के लिए क्या करें और क्या न करें की लिस्ट भी जारी की है। इसमें आने वालों के आधार कार्ड की जांच और उनकी हिंदू पहचान पक्की करने के लिए माथे पर तिलक लगाने की बात कही गई है। राज्य भर में नवरात्रि के कार्यक्रमों में मुसलमानों की भागीदारी पर प्रतिबंध के बारे में सचिव श्रीराज नायर ने बात की है।

यह त्योहार देवी की पूजा का त्योहार: नायर

श्रीराज नायर ने तर्क दिया, नवरात्रि का त्योहार सिर्फ गीत-नृत्य का त्योहार नहीं है। यह त्योहार देवी की पूजा का त्योहार है। जो मुसलमान मूर्ति पूजा के विरोधी हैं, उन्हें इस त्योहार में क्यों भाग लेना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट करने की कोशिश की कि नवरात्रि के कार्यक्रमों में मुसलमानों को शामिल होने की अनुमति न देने का मतलब यह नहीं है कि विश्व हिंदू परिषद किसी भी समुदाय के खिलाफ है। उन्होंने कहा, विश्व हिंदू परिषद मानती है कि त्योहार हिंदुओं की सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग हैं और वह इसे कमजोर नहीं होने दे सकती।

संक्षिप्त समाचार

फर्नीचर दुकान में ग्राहक बनकर पहुंचे बदमाश, दुकानदार पर तानी पिस्तौल, 1 को पकड़ा-2 बाइक से फरार

हाजीपुर। हाजीपुर के महुआ थाना क्षेत्र के कहानी गांव में शुक्रवार दोपहर फर्नीचर दुकान में लूट की कोशिश का मामला सामने आया। ग्राहक बनकर पहुंचे तीन बदमाशों ने दुकानदार पर पिस्तौल तानकर गोली चलाने का प्रयास किया। दुकानदार ने साहस दिखाते हुए एक बदमाश को पकड़ लिया। इस दौरान उसके दो साथी बाइक से फरार हो गए। कहानी गांव निवासी महेश सिंह की फर्नीचर की दुकान में शुक्रवार दोपहर तीन युवक बाइक से पहुंचे। तीनों ग्राहक बनकर दुकान में दाखिल हुए और कुछ देर तक फर्नीचर देखते रहे। इसके बाद उन्होंने दुकानदार को दुकान के अंदर ले जाने की कोशिश की। आरोप है कि इसी दौरान बदमाशों ने कमर से पिस्तौल निकाल ली और महेश सिंह पर गोली चलाने का प्रयास किया। अचानक हुए हमले से दुकानदार घबरा गए, लेकिन उन्होंने हिम्मत दिखाते हुए एक बदमाश को पकड़ लिया और शोर मचाना शुरू कर दिया। दुकानदार की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे। लोगों की भीड़ जुटती देख दो अन्य बदमाश बाइक लेकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही महुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुकानदार के कब्जे से पकड़े गए आरोपी को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्तार बदमाश से पूछताछ कर उसके फरार साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस घटना में इस्तेमाल बाइक, हथियार और अन्य साक्ष्य जुटाने में लगी है। घटना के बाद इलाके के दुकानदारों में भय का माहौल है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

वैशाली में कृष्ण जन्माष्टमी पर 15 किमी लंबी शोभायात्रा निकाली, भक्ति गीतों पर झूमे श्रद्धालु

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के मनियारपुर योगी स्थान से शुक्रवार को कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर राधा कृष्ण चेतना मंच की तरफ से एक शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में श्रद्धालु राधा-कृष्ण की भक्ति में झूमते दिखे। इस दौरान "हमें औरों की परवाह नहीं, अपनी ठकुरानी... श्री राधिका रानी जो है..." जैसे भक्ति गीतों से पूरा माहौल भक्ति से भर गया। शोभायात्रा की अगुवाई राधा कृष्ण चेतना मंच के संयोजक और खिलवत के पूर्व सरपंच संजीव कुमार सिंह ने की। यह शोभायात्रा मनियारपुर ब्रह्म स्थान से शुरू हुई। इसने करीब 15 किलोमीटर का सफर तय किया और सैदपुर गणेश चौक पहुंची। यहां आरती के बाद शोभायात्रा समाप्त हुई। शोभायात्रा में कई देवी-देवताओं की सुंदर झांकियां और कलाकृतियां दिखाई गईं। राधा रानी का नृत्य, भगवान शिव का तांडव, गणेश, पार्वती और हनुमान जी की झांकियां लोगों को खूब पसंद आईं। नृत्य और झांकियों को देखने के लिए जगह-जगह श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ जमा हो गई। लोग इन दृश्यों को अपने मोबाइल में कैद करते दिखे। शोभायात्रा में समाजसेवी अरविंद राय, पप्पू यादव, अजय यादव, उजाला कुमार पंकज, अभिनीत सिंह, भारतेंदु ऋतुराज, अंजन सिंह, टिंकज सिंह और कई श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे रास्ते "जय जय श्री राधे, जय हो बरसाने वाली की" के जयकारों से माहौल गूंज उठा।

हाजीपुर में गंगा-गंडक का पानी निचले इलाकों में फैला, 1700 घर प्रभावित, लोग ऊंचे स्थानों पर जा रहे

हाजीपुर। हाजीपुर में गंगा और गंडक नदियों का जलस्तर बढ़ने से लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। निचले इलाकों में तेजी से पानी फैलने के कारण कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। हरिवंशपुर स्थित डीआरसीसी और आईटीआई परिसर में भी पानी घुस गया है। गांधी सेतु के नीचे का इलाका पूरी तरह पानी में डूब गया है। वार्ड नंबर 43 के पार्षद ने बताया कि इलाके के करीब 1700 घर बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। कई रास्तों पर पानी तेज धार के साथ बह रहा है, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। हालात को देखते हुए लोग अपने घर छोड़कर सड़क किनारे और ऊंचे स्थानों पर जा रहे हैं। प्रभावित लोगों के लिए जरूरत के हिसाब से नाव का इंतजाम किया जा रहा है। गंगा और गंडक दोनों नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में पानी के शहर की ओर बढ़ने की आशंका बनी हुई है। अगर जलस्तर में और बढ़ोतरी हुई, तो हाजीपुर में स्थिति और बिगड़ सकती है और हजारों लोग प्रभावित हो सकते हैं।

मवेशियों से भरी नाव गंगा में डूबी, किसान ने फोन कर परिजन को दी जानकारी

हाजीपुर। वैशाली के महनार में गुरुवार देर रात गंगा की तेज धार में मवेशियों से भरी एक नाव अचानक डूब गई। इस घटना से नदी में सवार करीब 10 से 12 किसान तेज बहाव में बहने लगे। सूचना मिलने पर महनार बाजार घाट पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया गया कि कुछ किसान करीब 15 से 20 किलोमीटर तक गंगा की धार में बहते चले गए। ये सभी किसान शिवनगर दियारा से मवेशियों को लेकर महनार बाजार घाट की ओर आ रहे थे, तभी बीच धार में नाव डूब गई। नाव पर सवार एक किसान ने किसी तरह अपने मोबाइल फोन से परिजनों को घटना की जानकारी दी। उसने बताया कि सभी लोग मवेशियों के सहारे नदी में बह रहे हैं। कुछ देर बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया, जिससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही महनार थानाध्यक्ष वेदानंद सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कराया। SDRF की दो टीमों और स्थानीय नाविकों ने मिलकर गंगा की तेज धार में खोजबीन की। करीब एक घंटे तक चले इस ऑपरेशन के बाद 6 किसानों और 6 मवेशियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। महनार SDO ने इस बात की जानकारी दी है। जानकारी के अनुसार, कुछ अन्य मवेशियों को भी बचाया गया है, जबकि कई मवेशी अभी भी लापता हैं। किसानों के सुरक्षित बाहर आने के बाद उनके परिवारों ने राहत की सांस ली।

दानापुर दियारा में घरों में 4 फीट तक पानी

पटना। दानापुर दियारा क्षेत्र में गंगा का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ प्रभावित गांवों के परिवारों का पलायन जारी है। घरों में तीन से चार फुट तक पानी घुसने के बाद करीब 50 परिवारों ने बलदेव स्कूल स्थित राहत शिविर में शरण ली है। बाढ़ पीड़ित अपने साथ मवेशियों को भी लेकर शिविर पहुंचे हैं। शिविर में करीब एक सौ पशुओं के साथ पीड़ित परिवार रह रहे हैं। बाढ़ पीड़ित शंभू राय ने बताया, 'तीन दिनों से गांव में बाढ़ का पानी जमा है। घर में तीन-चार फुट पानी घुस गया है। शुक्रवार को उन्हें किराये की नाव लेकर पूरे परिवार और पशुओं के साथ गंगा पार कर राहत शिविर पहुंचना पड़ा। उन्होंने बताया कि सरकारी नाव नहीं मिलने के कारण निजी नाव किराये पर लेनी पड़ी। शुक्रवार सुबह एसडीओ वीरूपाक्ष विक्रम सिंह, डीसीएलआर प्रवीण चंदन और सीओ दिलीप कुमार गुप्ता ने बलदेव स्कूल राहत शिविर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और जल्द समाधान का आश्वासन दिया। एसडीओ ने यह भी बताया, राहत शिविर में सामुदायिक किचन और भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। बाढ़ पीड़ितों के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए मेडिकल टीम समेत अन्य कर्मी तैनात हैं। शौचालय की व्यवस्था साफ-सुथरी है। एसडीओ ने बताया कि पशुओं के लिए चारे की भी व्यवस्था की जा रही है। पशुओं के चारे की कमी की शिकायत मिलने पर प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी को पर्याप्त मात्रा में चारा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। बाढ़ पीड़ितों ने बताया कि बाढ़ कासीमचक, छोटा कासीमचक, हरशामचक समेत दियारा के कई गांवों से परिवार राहत शिविर में पहुंचे हैं। भाजपा नेता भाई सनोज यादव ने भी शिविर पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों का हाल जाना।

गंगा का जलस्तर बढ़ा, श्मशान घाट डूबा, दुकानें भी जलमग्न

अंतिम संस्कार के लिए इंतजार, पटना समेत 5 जिलों से आते हैं लोग

एजेंसी, पटना

बिहार में गंगा और सोन नदी के बढ़ते जलस्तर का असर अब जनजीवन के साथ अंतिम संस्कार जैसी जरूरी प्रक्रिया पर भी पड़ने लगा है। पटना के फतुहा में गंगा का पानी खतरे के निशान को पार कर मुख्य श्मशान घाट तक पहुंच गया है। शुक्रवार को भी जलस्तर बढ़ता रहा। घाट का बड़ा हिस्सा पानी में डूबने से शवदाह के लिए जगह बेहद सीमित रह गई है। ऐसे में परिजनों को सड़क किनारे शव रखकर घंटों अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। फतुहा का मुख्य श्मशान घाट केवल स्थानीय लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि आसपास के कई जिलों के लोगों के लिए भी प्रमुख दाह स्थल है। यहां रोजाना करीब 50 से 60 शवों का अंतिम संस्कार किया जाता है। पटना के अलावा नालंदा, जहानाबाद, अरवल के कुर्था-किंजर क्षेत्र और गया से भी लोग यहां शव लेकर पहुंचते हैं। फतुहा में गंगा, पुनपुन और सोन के त्रिवेणी संगम के कारण इस घाट का धार्मिक महत्व भी है। मान्यता है कि यहां अंतिम संस्कार करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी वजह से दूर-दराज से भी लोग अपने परिजनों का अंतिम संस्कार कराने यहां पहुंचते हैं।

घाट डूबा तो सड़क किनारे करना पड़ रहा इंतजार: गंगा का पानी बढ़ने के बाद घाट का अधिकांश हिस्सा जलमग्न हो गया है। दाह संस्कार के लिए उपलब्ध जगह कम होने के कारण एक साथ कई शवों का अंतिम संस्कार करना संभव नहीं हो पा रहा है। परिजनों को शव लेकर सड़क किनारे खड़ा रहना पड़ रहा है। कई परिवार अपनी बारी का इंतजार घंटों सड़क किनारे ही कर रहे हैं। पानी और सीमित जगह के बीच अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी करना उनके लिए बड़ी परेशानी बन गई है।

लकड़ी और कफन की दुकानें भी पानी में डूबीं: बाढ़ का असर श्मशान घाट के आसपास कारोबार करने वाले दुकानदारों पर भी पड़ा है। अंतिम संस्कार में इस्तेमाल होने वाली लकड़ी, कफन, हुमाद, चंदन की लकड़ी और घी बेचने वाली कई दुकानें पानी में आधी डूब चुकी हैं। पानी भरने के कारण ज्यादातर दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर दी हैं। कुछ दुकानदार सड़क किनारे अस्थायी व्यवस्था बनाकर किसी तरह शवदाह सामग्री बेच रहे हैं। घाट पर आने वाले लोगों को जरूरी सामान जुटाने में भी परेशानी हो रही है।

बढ़ते पानी से व्यवस्था और बिगड़ने की आशंका: गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ने से श्मशान घाट की स्थिति और खराब होने की आशंका है। यदि पानी इसी तरह बढ़ता रहा तो शवदाह के लिए उपलब्ध जगह और कम हो सकती है। ऐसे में प्रशासन के सामने अंतिम संस्कार के लिए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने की चुनौती खड़ी हो सकती है।

फुलवारीशरीफ में पुनपुन का पानी गांवों में घुसा, सड़कें डूबीं

एजेंसी, पटना

पटना में गंगा के बाद अब पुनपुन नदी का जलस्तर भी तेजी से बढ़ने लगा है। शुक्रवार को पुनपुन नदी का पानी गौरीचक थाना क्षेत्र के फतेहपुर, अलावलपुर, दौलतपुर, पितरिया, कमरजी और कोहली समेत कई गांवों में घुस गया। गांवों में पानी पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोगों को आशंका है कि जलस्तर में बढ़ोतरी जारी रही तो आसपास के कई और गांव बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं।

गौरीचक से माधोपुर होते हुए फतेहपुर जाने वाली सड़क पर भी बाढ़ का पानी तेजी से फैल रहा है। वहीं, गौरीचक से फतुहा जाने वाली ब्रांच रोड पर भी पानी चढ़ गया है। सड़कों पर पानी आने से ग्रामीणों की आवाजाही प्रभावित हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब सात-आठ साल बाद पुनपुन नदी में इस तरह जलस्तर बढ़ता दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों को डर है कि अगर पानी इसी गति से बढ़ता रहा तो हालात गंभीर हो सकते हैं। पुनपुन के अंचलाधिकारी प्रभात रंजन ने बताया कि कई गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। प्रशासन की ओर से ग्रामीणों को सतर्क रहने को कहा गया है। तेज बहाव वाले पानी में जाने और किसी तरह का जोखिम उठाने से लोगों को मना किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रभावित इलाकों में प्रशासन की टीम लगातार गश्त कर रही है। पथ निर्माण विभाग, बाढ़ नियंत्रण विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग को भी अलर्ट कर दिया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। पुनपुन नदी के बढ़ते जलस्तर का असर आगामी पितृपक्ष मेले पर पड़ने की आशंका भी जताई जा रही है। 27 सितंबर से शुरू होने वाले पितृपक्ष मेले में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुनपुन घाट पहुंचते हैं। फिलहाल घाट पर भी पानी का जलस्तर काफी बढ़ गया है।

पटना के होटल में नाबालिग से दुष्कर्म, पीड़िता थाने पहुंची

एजेंसी, पटना

पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र में पटना जंक्शन के पास स्थित एक होटल में 12 साल की नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बच्ची ने अपने परिजनों के साथ शुक्रवार को कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने दुष्कर्म और POCSO एक्ट के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शादी का भरोसा देकर पटना बुलाने का आरोप: पुलिस के अनुसार, बच्ची की कुछ समय पहले एक लड़के से पहचान हुई थी। दोनों के बीच बातचीत होने लगी और धीरे-धीरे नजदीकियां बढ़ गईं। बच्ची ने पुलिस को बताया कि लड़के ने उससे शादी करने का भरोसा दिया था। इसी दौरान लड़का उससे मिलने पटना आया। बच्ची भी उससे मिलने पटना सिटी इलाके से पहले दानापुर पहुंची। दोनों ने वहां ठहरने के लिए होटल तलाशा, लेकिन होटल नहीं मिला। इसके बाद दोनों पटना जंक्शन के पास एक होटल पहुंचे। बच्ची के बयान के मुताबिक, लड़के ने होटल में कमरा लिया और दोनों 31 तारीख की रात वहां रुके। बच्ची ने आरोप लगाया कि इसी दौरान उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए गए। घर लौटने के बाद परिजनों ने बच्ची से उसके गायब रहने के बारे में पूछताछ की। इसके बाद उसने परिवार को पूरी घटना की जानकारी दी। शुक्रवार को परिजन बच्ची को लेकर कोतवाली थाना पहुंचे और पुलिस से शिकायत की।

बिहार कांग्रेस ने की प्रभारी-प्रदेश अध्यक्ष को हटाने की मांग, 8 सितंबर को दिल्ली में धरना-प्रदर्शन करेंगे

एजेंसी, पटना

बिहार कांग्रेस में संगठनात्मक स्थिति को लेकर नाराजगी एक बार फिर सामने आई है। नाराज कांग्रेस नेताओं ने पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व से बिहार कांग्रेस के मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। इसके लिए कई पूर्व विधायक, पूर्व जिला अध्यक्ष, प्रदेश स्तर के पूर्व पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नेता-कार्यकर्ता 8 सितंबर को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन करेंगे।

10 महीने बीत गए लेकिन कोई जवाब नहीं आया: AICC सदस्य आनंद माधव ने कहा कि 3 नवंबर 2025 को हमारी मुलाकात राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से हुई थी तब उस बैठक में कांग्रेस नेता अशोक गहलोत और नासिर हुसैन भी मौजूद थे। हमने बिहार कांग्रेस के अनियमितताओं के बारे में बताया तब उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि बिहार चुनाव खत्म होने के बाद हमारे साथ बैठक करेंगे और सभी बातों पर विचार किया जाएगा। अब 10 महीने बीत चुके हैं, हम लोग बार-बार प्रतिवेदन दे रहे हैं लेकिन कोई समय नहीं मिल पा रहा है। इसलिए हम लोगों ने तय किया है कि 8 सितंबर को कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन के सामने शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे।

बिहार कांग्रेस में सुधार के लिए लगातार प्रयास किए गए: बिहार कांग्रेस में सुधार के लिए लगातार प्रयास किए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। उन्होंने कहा कि इसी वजह से दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय के सामने शांतिपूर्ण धरना देने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि उनका विरोध कांग्रेस पार्टी से नहीं, बल्कि बिहार में पार्टी का संचालन कर रहे मौजूदा नेतृत्व से है। उन्होंने कहा कि वे कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ता हैं और पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से अपनी बात राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंचा रहे हैं।

राहुल गांधी से मिलने सहित 4 मांग

सादाकत आश्रम को लेकर भी उठाए सवाल: आनंद माधव ने आरोप लगाया कि बिहार में कांग्रेस संगठन की स्थिति लगातार कमजोर हुई है और समर्पित कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पटना स्थित कांग्रेस मुख्यालय सादाकत आश्रम, जिसे कांग्रेसी अपना मंदिर मानते हैं, वहां दूसरे दलों के लोगों और कथित अराजक तत्वों की गतिविधियां बढ़ गई हैं।

नेताओं ने आरोप लगाया कि संगठन सृजन के नाम पर दूसरे दलों के लोगों को पद का प्रलोभन देकर कांग्रेस में शामिल किया जा रहा है। उन्होंने इस प्रक्रिया पर रोक लगाने और इसकी जांच कराने की मांग की।

उन्होंने कहा कि बिहार के अलग-अलग जिलों से पूर्व विधायक, पूर्व जिला अध्यक्ष, पार्टी के पूर्व पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता दिल्ली पहुंच रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय नेतृत्व से अपील की कि बिहार कांग्रेस के मामले में जल्द हस्तक्षेप किया जाए, ताकि स्थिति और खराब होने से रोकी जा सके।

'चिराग पासवान बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे'

राजू तिवारी ने उठाई मांग, कहा- आगामी विस चुनाव में हमारी पार्टी सरकार बनाएगी

एजेंसी, पटना

चिराग पासवान बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे। ये बात लोजपा रामविलास के एक समारोह में राष्ट्रीय महासचिव राजू तिवारी ने कही। राजु तिवारी ने कहा, बिहार में लोजपा रामविलास अपने दम पर सरकार बनाएगी। हम सभी कार्यकर्ता संकल्प लेंगे कि आने वाले विधानसभा चुनाव में हमारी पार्टी सरकार बनाएगी। हमारे मुख्यमंत्री चिराग पासवान होंगे। मंच से उठी इस मांग के बाद कार्यकर्ताओं में भी उत्साह देखा गया और चिराग पासवान के समर्थन में नारे लगे। राजू तिवारी ने कहा, आने वाले समय में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बिहार की कमान संभालेंगे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान खुद मंच पर मौजूद थे।

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष के सम्मान समारोह में गूंजी मांग: दरअसल, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नवनियुक्त बिहार प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र विवेक के सम्मान में समारोह का आयोजन था। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। हाल ही में लोजपा (रामविलास) में बड़ा संगठनात्मक बदलाव किया गया है। सुरेंद्र विवेक को बिहार प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि लंबे समय तक प्रदेश संगठन की कमान संभालने वाले राजू तिवारी को राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुरेंद्र विवेक की नियुक्ति से पार्टी जमीनी संगठन को मजबूत करने पर जोर दे रही है, जबकि राजू तिवारी को राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारी देकर पार्टी ने अपने नेतृत्व ढांचे को विस्तार दिया है।

NDA के भीतर नेतृत्व को लेकर नई राजनीतिक चर्चा: एनडीए के अंदर अलग-अलग दलों की अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं रही हैं। समय-समय पर नेतृत्व तथा सीटों को लेकर दबाव की राजनीति भी सामने आती रही है। चिराग पासवान और बिहार के वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व के बीच कई मुद्दों पर अलग-अलग रुख भी देखने को मिला है। छात्रों पर लाठीचार्ज से जुड़े मामलों से लेकर आरक्षण और सामाजिक मुद्दों तक चिराग पासवान कई बार अपनी अलग राय सार्वजनिक रूप से रखते रहे हैं।

'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' के जरिए बढ़ा रहे राजनीतिक आधार: चिराग पासवान लंबे समय से अपने 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' विजन के जरिए राज्य में अलग राजनीतिक पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं, रोजगार, पलायन, उद्योग और बिहार के विकास को केंद्र में रखकर पार्टी अपनी राजनीतिक पहुंच बढ़ा रही है। लोकसभा चुनाव में पार्टी के शानदार प्रदर्शन और सभी पांच सीटों पर जीत के बाद लोजपा (रामविलास) के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। पार्टी अब इस प्रदर्शन को विधानसभा और राज्य की राजनीति में भी बड़ी ताकत में बदलने की कोशिश कर रही है। इसी वजह से संगठन को बूथ और विधानसभा स्तर तक मजबूत करने की रणनीति पर काम किया जा रहा है।

पटना सिटी में गंगा का पानी घरों-सड़कों तक पहुंचा, कई घाट जलमग्न

एजेंसी, पटना

पटना सिटी में गंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव से पटना सिटी के तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। भद्र घाट, महावीर घाट और कंगन घाट समेत कई इलाकों में गंगा का पानी सड़कों तक पहुंच गया है। कुछ जगहों पर करीब तीन फीट तक पानी सड़क पर बह रहा है। कंगन घाट क्षेत्र में पानी कई घरों में घुसने से करीब एक हजार घर प्रभावित हुए हैं।

घाटों की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग: गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला और पुलिस प्रशासन ने लोगों की सुरक्षा के लिए घाटों की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग कर आवाजाही रोक दी है। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लगातार लोगों से गंगा और घाटों से दूर रहने की अपील कर रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि गंगा में तेज बहाव के बीच नदी के करीब जाना जानलेवा हो सकता है। लोगों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने और अनावश्यक रूप से घाटों की ओर नहीं जाने की अपील की गई है।

एक ओर प्रशासन घाटों पर लोगों की आवाजाही रोक रहा है, वहीं दूसरी ओर कच्ची दरगाह से राघोपुर के बीच नावों का परिचालन जारी है। बड़ी संख्या में लोग नावों से गंगा पार करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान कई नावों पर क्षमता से अधिक यात्री सवार होने की तस्वीरें सामने आई हैं। गंगा में तेज बहाव के बीच ओवरलोड नावों के परिचालन से यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

नीतीश ने पुजारी से चरणामृत की जगह चम्मच ले ली

एजेंसी, पटना

जन्माष्टमी पर पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शाम करीब 4 बजे पटना के इस्कॉन मंदिर पहुंचे। उनके साथ जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा भी मौजूद थे। मंदिर में पहुंचने के बाद नीतीश कुमार ने भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान नीतीश कुमार को पुजारी ने गुलाब का फूल दिया तो उन्होंने फूल अपने पास रखने के बजाय वापस पुजारी को दे दिया। इसके बाद पुजारी ने उन्हें माला पहनाने की कोशिश की तो उन्होंने माला नहीं पहनी। इसके बाद संजय झा को माला पहनाया गया।

नीतीश आगे बढ़े तो उन्होंने वहां मौजूद लोगों की ओर देखा। अपनी सभा की स्टाइल में वे लोगों का अभिवादन करने लगे। दूसरे पंडित जी ने नीतीश को चरणामृत देने की कोशिश की तो उन्होंने चम्मच ही ले ली। इसके बाद पंडित जी को ही चरणामृत देने लगे। पंडित ने उन्हें आशीर्वाद वाला मुकुट सिर पर रखने की कोशिश की तो नीतीश कुमार ने मुकुट लेकर अपने साथ मौजूद नेताओं के सिर पर रखने लगे।

बिहार में शनिवार से फिर बदलेगा मौसम

एजेंसी, पटना

बिहार में शनिवार से मौसम फिर सक्रिय होने वाला है। पटना के मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की आशंका जताई है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और नदियों के बढ़ते जलस्तर को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी है।

ट्रफ लाइन के असर से बदलेगा मौसम: मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक आनंद शंकर ने बताया, 'शनिवार से बिहार में ट्रफ लाइन के असर से मौसम बदलेगा। इससे राज्य के कई इलाकों में बारिश हो सकती है। कुछ जगहों पर भारी वर्षा की भी आशंका है।' उन्होंने लोगों से अपील की है कि बारिश के दौरान बेवजह घर से बाहर न निकलें और पानी भरने वाले इलाकों में सावधान रहें।

पड़ोसी राज्यों और नेपाल में बारिश का दिख रहा असर: मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक आशीष कुमार ने जानकारी दी कि इस साल बिहार में सामान्य से कम बारिश हुई है। हालांकि, बिहार की नदियों का जलस्तर आसपास के राज्यों और नेपाल में हुई भारी बारिश के कारण बढ़ा है। नेपाल के साथ-साथ छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में हुई बारिश का पानी बिहार की नदियों में आ रहा है। इससे कई नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है, जिससे नदी किनारे रहने वाले लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं।

नदियों के बढ़ते जलस्तर ने बढ़ाई चिंता

एक दर्जन से ज्यादा जिलों में भारी बारिश की संभावना: आशीष कुमार ने यह भी बताया कि अगले एक-दो दिनों में राज्य के एक दर्जन से ज्यादा जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इनमें से करीब चार जिलों में बहुत तेज बारिश हो सकती है। वहीं, लगातार बारिश और दूसरे राज्यों से आने वाले पानी के कारण निचले इलाकों में पानी भरने और बाढ़ की स्थिति और गंभीर होने की आशंका है।

बाली में बिहार की ज्ञान-परंपरा की गूंज, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. प्रसून दत्त सिंह करेंगे शोध-पत्र का वाचन

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह इंडोनेशिया के बाली में आयोजित होने वाले 13वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज-2026 में बिहार की समृद्ध ज्ञान-परंपरा का प्रतिनिधित्व करेंगे। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 7 और 8 सितंबर, 2026 को बाली में होगा। प्रो. सिंह सम्मेलन में पारंपरिक ज्ञान और जैव-विविधता संरक्षण विषय पर आधारित अपने शोध-पत्र का वाचन करेंगे। उन्होंने कहा कि आज वैश्विक स्तर पर इंडिजिनस नॉलेज सिस्टम्स, इंडियन नॉलेज सिस्टम्स, पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसे विषय महत्वपूर्ण विमर्श का हिस्सा हैं। ऐसे में बिहार की पारंपरिक ज्ञान-परंपरा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना भारतीय ज्ञान-परंपरा की समृद्धि के साथ बिहार की सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति-केंद्रित जीवन-दृष्टि को वैश्विक पहचान दिलाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की ऐसी अवधारणाएं मौजूद हैं, जिनकी प्रासंगिकता आज के वैश्विक समाज में भी बनी हुई है। भारतीय ज्ञान-परंपरा का अध्ययन इसलिए वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

15 पुस्तकों और 70 से अधिक शोध-पत्रों का प्रकाशन– संस्कृत भाषा-साहित्य और भारतीय ज्ञान-परंपरा के विद्वान प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने 15 मौलिक पुस्तकों तथा 70 से अधिक शोध-पत्रों का लेखन एवं प्रकाशन किया है। वे विभिन्न राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और वैचारिक कार्यक्रमों में विषय-विशेषज्ञ के रूप में भाग लेते रहे हैं।

वे दो प्रतिष्ठित शोध-पत्रिकाओं 'दृष्टिकोण' और 'मतादर्श' के संपादक भी हैं। मॉरिशस विश्वविद्यालय की सीनेट द्वारा चयनित बाह्य विशेषज्ञ के रूप में वे वहां के संस्कृत विभाग से भी जुड़े हैं। इसके अलावा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा में राज्यपाल द्वारा नामित सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

प्रो. सिंह को सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान और संस्कृत भूषण सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। संस्कृत भाषा के क्षेत्र में उन्हें भारत सरकार से पेटेंट भी प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की तीन शोध परियोजनाओं को पूरा करने के बाद वर्तमान में वे भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा वित्तपोषित वृहत शोध परियोजना 'संस्कृतवाङ्मय में प्रतिबिम्बित भारत की सांस्कृतिक-धार्मिक विरासतः अतीत से वर्तमान तक' पर शोधरत हैं।

वैश्विक मंच पर मजबूत होगी विश्वविद्यालय की पहचान– प्रो. सिंह बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय सहित देश के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से विषय-विशेषज्ञ के रूप में जुड़े हुए हैं।

बाली के अंतरराष्ट्रीय अकादमिक मंच पर प्रो. सिंह द्वारा महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय और बिहार का प्रतिनिधित्व विश्वविद्यालय की शोध-परंपरा और वैश्विक अकादमिक उपस्थिति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे भारतीय ज्ञान-परंपरा, लोक अध्ययन, जनजातीय अध्ययन तथा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय में हो रहे शोध को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मंच मिलने की उम्मीद है।

कुलपति ने दी शुभकामनाएं– विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने प्रो. प्रसून दत्त सिंह को इस उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मंचों पर विश्वविद्यालय के शिक्षक भारतीय ज्ञान-परंपरा, बिहार की सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय समुदायों के अनुभवजन्य ज्ञान को वैश्विक विमर्श से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने विश्वास जताया कि प्रो. सिंह का शोध महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ-साथ बिहार की समृद्ध लोकज्ञान परंपरा को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों और शिक्षकों ने भी प्रो. सिंह को शुभकामनाएं देते हुए इसे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव का क्षण बताया।

संक्षिप्त समाचार

मोतिहारी में चार थानों की बदली कमान

» कल्याणपुर, चिरैया, संग्रामपुर और मलाही को मिले नए थानाध्यक्ष, तत्काल योगदान का निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण में अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए पुलिस अधीक्षक ने बड़ा फेरबदल किया है। जिले के चार थानों में नए थानाध्यक्षों की तैनाती की गई है। तबादले के बाद सभी संबंधित अधिकारियों को अपने नए पदस्थापन स्थल पर अविलंब योगदान देने का निर्देश दिया गया है। पुलिस केंद्र मोतिहारी में तैनात पु०नि० अमरजीत कुमार को कल्याणपुर थाने की कमान सौंपी गई है। वहीं नगर में अतिरिक्त पर्यवेक्षी पदाधिकारी के रूप में तैनात पु०नि० नवीन कुमार को चिरैया का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। जिला आसूचना इकाई में तैनात पु०अ०नि० नितीश कुमार को संग्रामपुर थाना अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं नगर थाना के अपर थानाध्यक्ष पु०अ०नि० सौरभ कुमार को मलाही थानाध्यक्ष बनाया गया है। इधर, मलाही की थानाध्यक्ष पु०अ०नि० सुमन भारती को थानाध्यक्ष पद से हटाकर पुलिस केंद्र मोतिहारी भेजा गया है। पुलिस महकमे में हुए इस फेरबदल को अपराध नियंत्रण और थाना स्तर पर पुलिसिंग को प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नए थानाध्यक्षों के सामने अपने-अपने क्षेत्रों में अपराध पर अंकुश लगाने, लंबित मामलों के निष्पादन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती होगी। पुलिस अधीक्षक के आदेश के अनुसार सभी स्थानांतरित अधिकारियों को बिना विलंब नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने को कहा गया है।

टेम्पो में तीन बोरा भरकर ले जा रहे थे 120 लीटर चुलाई शराब, दो गिरफ्तार

जैल मुरारपुर के पास हरसिद्धि पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा, टेम्पो जब्त

बीएनएम@ हरसिद्धि। शराब तस्करी के खिलाफ हरसिद्धि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए परशुरामपुर-संग्रामपुर मार्ग में जैल मुरारपुर के समीप टेम्पो से करीब 120 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की। पुलिस ने शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि टेम्पो से शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जैल मुरारपुर के समीप वाहन जांच शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध टेम्पो को रोककर तलाशी ली गई। टेम्पो में लदे तीन बोरे की जांच करने पर करीब 120 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद हुई। थानाध्यक्ष ने बताया कि मौके से प्यारे खान (25), पिता कबीर खान और शहाबुद्दीन खान (21), पिता नजरे आलम, दोनों निवासी दरियापुर वार्ड नंबर एक, थाना संग्रामपुर, पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया है। शराब के साथ तस्करी में प्रयुक्त टेम्पो को भी जब्त कर लिया गया है। सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किसे पहुंचाया जाना था। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

हरसिद्धि में शनिवार को लगेगा भूमि विवाद पर जनता दरबार, एसडीएम सुजीत कुमार की मौजूदगी में होगी सुनवाई

बीएनएम@ हरसिद्धि। भूमि विवादों के त्वरित निपटारे को लेकर अरेराज अनुमंडल प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। हरसिद्धि अंचल में शनिवार को लगने वाले जनता दरबार में अब भूमि विवाद से जुड़े मामलों की विशेष रूप से सुनवाई होगी। शनिवार, 5 सितंबर को आयोजित जनता दरबार में अरेराज एसडीएम सुजीत कुमार स्वयं मौजूद रहेंगे और फरियादियों की शिकायतें सुनेंगे। एसडीएम ने बताया कि अंचल स्तर पर प्रत्येक शनिवार को जनता दरबार लगाया जाता है। भूमि विवाद से जुड़े मामलों के समाधान को प्राथमिकता देते हुए वे स्वयं इसमें उपस्थित रहेंगे। इस दौरान दोनों पक्षों की बात सुनने के साथ संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की जाएगी। मामले की प्रकृति के अनुसार संबंधित राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि भूमि विवादों के समाधान के लिए अरेराज अनुमंडल कार्यालय में भी प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को सुनवाई की जाएगी। इन दोनों दिनों अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इससे ऐसे मामलों में जहां प्रशासनिक कार्रवाई के साथ पुलिस सहयोग की जरूरत होगी, वहां तत्काल समन्वय स्थापित कर कार्रवाई की जा सकेगी। प्रशासन का उद्देश्य भूमि विवादों को लंबे समय तक लंबित रखने के बजाय शुरुआती स्तर पर ही उनका समाधान करना है। जमीन की पैमाइश, सीमांकन, कब्जा, रास्ता, बंटवारा सहित अन्य राजस्व संबंधी विवादों में समय पर कार्रवाई होने से विवाद को बढ़ने से रोकने में मदद मिलेगी। एसडीएम की इस पहल से भूमि विवादों को लेकर परेशान लोगों में राहत की उम्मीद जगी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई होगी और फरियादियों को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से विभिन्न कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

गर्म तेल कांड पर मानवाधिकार संगठन की रिपोर्ट से कॉलेज में खलबली

» मेस कर्मी-संचालक पर कार्रवाई की मांग, कॉलेज प्रशासन और पुलिस की भूमिका पर भी उठे सवाल

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी इंजीनियरिंग कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल मेस में तीन छात्राओं पर गर्म तेल फेंके जाने की घटना को लेकर मानवाधिकार संगठन ने अपनी फाइनल रिपोर्ट जिला प्रशासन, संबंधित विभाग और संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंप दी है। संगठन ने मेस कर्मी, संचालक और कॉलेज प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कार्रवाई की मांग की है। जिला अध्यक्ष इन्द्रमणि सिंह ने बताया कि 20 जुलाई की घटना के बाद संगठन की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर छात्राओं और कॉलेज कर्मियों से जानकारी ली। संगठन का दावा है कि गर्म तेल छात्राओं की ओर जानबूझकर फेंके जाने के संकेत मिले हैं। इसके बावजूद मेस संचालक अजीत कुमार सिंह उर्फ लड्डू सिंह और कर्मी अभिषेक कश्यप की गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाया गया है। रिपोर्ट में गर्ल्स हॉस्टल में पुरुष मेस कर्मियों की तैनाती, सीसीटीवी खराब रहने और छात्राओं के घायल होने के बाद एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने के मामले की जांच की मांग की गई है। संगठन ने प्राचार्य पर छात्राओं के प्रति कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने का भी आरोप लगाया है। संगठन ने कॉलेज प्रशासन पर मेस संचालन में अनियमितता, खराब स्वच्छता, घटिया खाद्य सामग्री, घरेलू गैस सिलेंडर के कथित इस्तेमाल और विद्यार्थियों को धमकाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही कॉलेज परिसर में मेस और कैंटीन संचालन की प्रक्रिया की जांच कराने तथा संबंधित वेंडर का अनुबंध रद्द कर ब्लैकलिस्ट करने की मांग की गई है। मानवाधिकार संगठन ने कॉलेज में रिपोर्टिंग के दौरान पत्रकारों के साथ कथित बदसलूकी का मामला भी उठाया है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि गर्म तेल कांड समेत कॉलेज की कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई के लिए संगठन आगे भी पहल करता रहेगा।

सांसद खेल महोत्सव 2026 का हुआ शुभारंभ आगामी 11 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगी सांसद खेल प्रतियोगिता

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चम्पारण संसदीय क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए पूर्वी चम्पारण के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह के द्वारा खेल भवन, मोतिहारी के इनडोर हॉल में तलवारबाजी (फेंसिंग) खेल की प्रतियोगिता के साथ सांसद खेल महोत्सव 2026 का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन सत्र में सांसद राधामोहन सिंह, उपमेयर डॉ. लालबाबू प्रसाद, जिला खेल पदाधिकारी विकास कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (शिक्षा) ब्रजेश कुमार, पार्षद प्रतिनिधि रोचक झा, कार्यक्रम संयोजक भानु प्रकाश, अरविन्द कुमार, अप्पु कुमार एवं अन्य खेल विशेषज्ञों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर सांसद खेल महोत्सव 2026 का शुभारंभ किया गया। सांसद राधामोहन सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल से होने वाले मानसिक, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास पर प्रकाश डाला। संबोधित करते हुए कहा कि हर्ष का विषय है कि तलवारबाजी खेल में जिला के खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ओलंपिक प्रतियोगिता की ओर अग्रसर है। सांसद खेल महोत्सव 2026 में तलवारबाजी, कबड्डी, एथलेटिक्स, कैरम, शतरंज, वुशु, जूडो, थांग-ता, साइक्लिंग, कुश्ती, वॉलीबॉल, टेबल-टेनिस एवं भारोत्तोलन सहित तेरह खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ियों एवं युवाओं को खेल के क्षेत्र में भागीदारी करने का अधिकार दिया प्राप्त होगा। इस मौके पर शैलेन्द्र मिश्रा, अरविन्द कुमार, अमित कश्यप, भानु प्रकाश, अरुण गुप्ता, रवि कुमार सिंह, अंशु यादव, विपुल आनन्द, विजय कुमार राय, गुड़िया रानी, रश्मि कुमारी, श्वेतांजली सहित सभी शामिल खेलों के खेल विशेषज्ञ उपस्थित थे।

इनोवा के गुप्त तहखाने में छिपा रखे थे 80 किलो गांजा जैसा मादक पदार्थ, दो तस्कर गिरफ्तार

SH-74 पर पुलिस ने रोकी कार, सीट के नीचे बने गुप्त चैंबर से 25 पैकेट बरामद; तीन मोबाइल भी जब्त

बीएनएम@ मोतिहारी

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में संग्रामपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने थाना के सामने SH-74 पर वाहन जांच के दौरान इनोवा कार के गुप्त तहखाने से 80.350 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया है। मामले में कार चालक समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की इनोवा कार अरेराज से खजुरिया की ओर जाने वाली है और उसमें मादक पदार्थ की खेप ले जाई जा रही है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए टीम गठित की गई। टीम ने संग्रामपुर थाना के सामने SH-74 पर वाहन जांच शुरू की। इसी दौरान BR55P0317 नंबर की इनोवा कार को रोककर तलाशी ली गई। सामान्य तलाशी के बाद पुलिस ने कार की बारीकी से जांच की तो सीट के नीचे गुप्त रूप से बनाया गया तहखाना मिला। तहखाना खोलने पर लाल रंग के प्लास्टिक में बांधकर रखे 25 पैकेट बरामद हुए। इनका कुल वजन 80.350 किलोग्राम बताया गया है। मामले में पुलिस ने कार चालक नितिश कुमार, पिता शिवजी राय तथा कार में सवार राहुल कुमार, पिता स्व. दिनेश राय, दोनों निवासी महुआ सिंहराय, थाना महुआ, जिला वैशाली, को गिरफ्तार कर लिया। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही इनोवा कार के साथ तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने इस संबंध में संग्रामपुर थाना कांड संख्या 324/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मादक पदार्थ की इतनी बड़ी खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। कार्रवाई में अपर थानाध्यक्ष पु०अ०नि० विकास आनंद, पु०अ०नि० संतोष कुमार, पु०अ०नि० सुरेश कुमार सिंह, परि०पु०अ०नि० अंजली कुमारी तथा सिपाही रवि रंजन, अभय कुमार और रतन कुमार महतो शामिल थे।

धूमधाम से मनाई गई श्री कृष्ण जन्माष्टमी भक्ति, भजन और झांकियों से गूंजा पूरा शहर

बीएनएम@ मोतिहारी

भाद्रपद कृष्ण अष्टमी के अवसर पर सोमवार को मोतिहारी में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव पूरे श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर के सभी मंदिरों को फूलों, लाइटों और रंगीन झालरों से सजाया गया था। रात 12 बजे निशिता काल में भगवान के जन्म के साथ ही शंख, घंटी और जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया। शहर के प्रमुख बांके बिहारी मंदिर, इस्कॉन मंदिर और राधा-कृष्ण मंदिर, चकिया में बोधि देवी मंदिर,रूप महल टॉकीज मंदिर,और मधुबन रोड की मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। महिलाओं ने व्रत रखकर पूजा-अर्चना की। मंदिरों में माखन-मिश्री, पंजीरी, धनिया की पंजीरी और 56 भोग का प्रसाद वितरित किया गया। रात 12 बजे पालने में लड्डू गोपाल को विराजमान कर झूला झुलाया गया। इस दौरान "हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की" के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। जन्माष्टमी को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। मंदिरों के आसपास ट्रैफिक डायवर्जन और पुलिस बल की तैनाती की गई थी। नगर परिषद द्वारा मंदिर परिसरों की साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था की गई। सर्वोदय उच्च विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार गुप्ता ने अपने पुत्र के साथ अपने घर पर, शोभा कुमारी,मीरा कुमारी, स्मिता,नीतू कुमारी, नेहा कुमारी, रेणु कुमारी ने अपने घर पर जन्माष्टमी का त्योहार मनाया। धनंजय कुमार रवि,चंदन चौधरी , विनय कुमार गुप्ता,अनूप कुमार, कुंदन कुमार गोस्वामी ने अपने घरों में पूजा अर्चना की। अन्य लोगों ने भी व्रत रखकर रात 12 बजे पूजा की। छोटे-छोटे बच्चों के पालने सजाए गए और घरों में भजन-कीर्तन हुआ। कई जगहों पर दही-हांडी का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया श्रद्धालुओं में पूरे दिन उत्साह देखा गया। मोतिहारी वासियों ने मिलजुल कर यह पर्व प्रेम और भाईचारे के साथ मनाया।

पकड़ीदयाल में नवजात की खरीद–फरोख्त का पर्दाफाश, आठ गिरफ्तार

एम्बुलेंस में नवजात को लेकर जा रही महिला समेत पांच पुरुष और तीन महिलाएं गिरफ्तार, 1.12 लाख रुपये नकद, नौ मोबाइल और दो वाहन बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चम्पारण जिले के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र में नवजात शिशु की खरीद-फरोख्त के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने चोरमा कोठी बाजार के पास घेराबंदी कर एक एम्बुलेंस और एक ऑल्टो कार को रोककर जांच की। एम्बुलेंस में एक महिला नवजात शिशु को गोद में लेकर बैठी मिली। पूछताछ में नवजात को खरीदकर ले जाने की बात सामने आने के बाद पुलिस ने महिला समेत आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से एक लाख 12 हजार रुपये नकद, नौ मोबाइल फोन, एक एम्बुलेंस और एक ऑल्टो कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार, तीन सितंबर को गुप्त सूचना मिली थी कि पकड़ीदयाल स्थित विशाल चाइल्ड केयर अस्पताल के पास से नवजात शिशु की खरीद-फरोख्त कर उसे एम्बुलेंस और ऑल्टो कार से चोरमा कोठी बाजार की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद वरीय अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई। इसके बाद गश्ती दल को तत्काल आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। गश्ती दल ने मानव तस्करी निरोधक इकाई और विशेष कार्य बल की टीम के साथ संयुक्त रूप से चोरमा कोठी बाजार के पास वाहनों की घेराबंदी की। संदिग्ध एम्बुलेंस और ऑल्टो कार को रोककर विधिवत जांच की गई। जांच के दौरान एम्बुलेंस में एक महिला के हाथ में नवजात शिशु मिला। उसके साथ अन्य लोग भी मौजूद थे। वहीं, ऑल्टो कार में भी कई लोग बैठे हुए थे। पुलिस ने सभी आठ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पूछताछ के दौरान महिला ने नवजात शिशु को खरीदकर ले जाने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने अन्य लोगों से भी पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में अन्य लोगों ने भी नवजात शिशु की खरीद-फरोख्त में संलिप्तता की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने सभी आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में औरंगाबाद जिले के गौह थाना क्षेत्र के गौह गांव निवासी गौतम कुमार, पटना जिले के परसा बाजार थाना क्षेत्र के परसा बाजार खपड़ैल चौक निवासी चंदन राम, पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के सोनागोपालपुर निवासी छोटू कुमार, धनरुआ थाना क्षेत्र के हुलाशचक निवासी कुणाल कुमार तथा पूर्वी चम्पारण जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव निवासी गुड्डु कुमार शामिल हैं। इनके अलावा तीन महिलाओं को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान एक एम्बुलेंस, एक ऑल्टो कार, नौ मोबाइल फोन और एक लाख 12 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। नवजात शिशु को सुरक्षित बरामद कर लिया गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि नवजात की खरीद-फरोख्त के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और क्या इस मामले के तार किसी बड़े गिरोह से जुड़े हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि नवजात को उपलब्ध कराने और उसकी खरीद-फरोख्त में अस्पताल अथवा किसी अन्य व्यक्ति की कोई भूमिका है या नहीं। मामले में गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई पकड़ीदयाल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अभिषेक कुमार के नेतृत्व में की गई। दल में पकड़ीदयाल थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार, मानव तस्करी निरोधक इकाई के प्रभारी सर्वेन्द्र कुमार सिन्हा, पुलिस अवर निरीक्षक धीरज कुमार, विकास कुमार साह, मुकेश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक रामप्रवेश यादव तथा विशेष कार्य बल की टीम शामिल थी। पुलिस ने मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। नवजात की खरीद-फरोख्त के इस मामले में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने के लिए पुलिस जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ से विस्थापित पशुपालकों के बीच पशुचारे का वितरण

बीएनएम@ समस्तीपुर। मोहिउद्दीन नगर प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ के कारण विस्थापित हुए पशुपालकों और उनके पशुओं के लिए राहत कार्य शुरू किया गया है। स्थानीय विधायक राजेश कुमार सिंह के प्रयास से परशुराम विद्यालय, नंदनी और पतसिया बांध पर शरण लिए हुए बाढ़ प्रभावित पशुपालक परिवारों के बीच पशुचारे का वितरण किया गया। प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. इंदु शेखर कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस वितरण कार्यक्रम के दौरान करीब 125 से 130 पशुपालक परिवारों को पशुचारा उपलब्ध कराया गया। बाढ़ के कारण अपने मवेशियों के साथ सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने वाले पशुपालकों ने चारा मिलने पर राहत की सांस ली। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि रविश कुमार सिंह, डॉ. हिमानी सिंह, डॉ. हरिलोचन कुमार, संजीत ठाकुर, कारी राय और रामचंद्र राय सहित बड़ी संख्या में पशुपालक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि रविश कुमार सिंह ने बताया कि विधायक राजेश कुमार सिंह ने वरीय पदाधिकारियों से बातचीत कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पॉलीथिन शीट उपलब्ध कराने की पहल की है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर जहां भी पॉलीथिन शीट की आवश्यकता है, वहां के जनप्रतिनिधि जरूरतमंद परिवारों की सूची तैयार कर प्रशासन को उपलब्ध कराएं।

कमलनाथ नगर रोड का निर्माण कार्य शुरू

आवागमन की समस्या से मिलेगी राहत

बीएनएम@ बेतिया। लंबे समय से बदहाल और बहुचर्चित कमलनाथ नगर रोड का निर्माण कार्य मुख्यमंत्री समग्र योजना के तहत शुरू हो गया। निर्माण कार्य का शुभारंभ उप महापौर गायत्री देवी, स्थानीय पार्षद श्रीमती ममता मिश्रा, जीनत प्रवीण एवं नई सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों ने संयुक्त रूप से किया। नई सशक्त समिति के गठन के बाद जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण कार्य का धरातल पर उतरना नगर निगम की सक्रियता और जनता की समस्याओं के समाधान के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सड़क निर्माण पूरा होने के बाद क्षेत्रवासियों को लंबे समय से चली आ रही आवागमन की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। सड़क को मुख्यमंत्री समग्र योजना में शामिल कराने एवं निर्माण की दिशा में सहयोग के लिए स्थानीय विधायक श्रीमती रेणु देवी, सांसद डॉ. संजय जायसवाल एवं विधान पार्षद श्री सौरव कुमार के प्रति नगर निगम एवं क्षेत्रवासियों ने आभार जताया। वार्ड पार्षद, उप महापौर एवं सशक्त स्थायी समिति ने कहा कि जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बंदरों ने 20 से अधिक लोगों को काटकर किया घायल

बीएनएम@ बेतिया : योगापट्टी। अंचल क्षेत्र के नवलपुर थाना अंतर्गत नवलपुर पंचायत के वार्ड नंबर 2 और 3 में इन दिनों बंदरों के आतंक से ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों के अनुसार गांव में कहीं से आए दो बंदरों ने अब तक 20 से अधिक लोगों को काटकर घायल कर दिया है। बंदरों के भय से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और लोग घरों से निकलने में भी सावधानी बरत रहे हैं। इस संबंध में ग्रामीणों ने नवलपुर थाना में आवेदन देकर बंदरों को पकड़वाने तथा वन विभाग के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई कराने की मांग की है। घायलों में प्रभु साह, मंजय शाह, विनोद शाह, सुगांधी कुमारी, गुड्डी देवी, मुन्ना यादव, भूटकुन यादव, कृष्णा साह, कैलाश साह और दुखन यादव समेत 20 से अधिक लोग शामिल हैं। नवलपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि संतोष राम ने बताया कि ग्रामीणों की ओर से पुलिस को आवेदन दिया गया है। पुलिस से वन विभाग को सूचना देकर बंदरों को पकड़ने की कार्रवाई कराने का आग्रह किया गया है।

बाढ़ के पानी में डूबने से डेढ़ वर्षीय मासूम की मौत

बीएनएम@ समस्तीपुर । मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के बोचहा पंचायत स्थित छोटकी पतासिया गांव में गुरुवार देर शाम घर के पीछे फैले बाढ़ के पानी में डूबने से डेढ़ वर्षीय मासूम की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव निवासी राणा चिंटू सिंह के पुत्र अनुज कुमार के रूप में हुई है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। बताया जाता है कि गंगा नदी के बढ़े जलस्तर के कारण गांव के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी फैल गया है। इसी क्रम में घर के पीछे जमा पानी में मासूम डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आनन-फानन में उसे लेकर मोहिउद्दीननगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय विधायक राजेश कुमार सिंह के प्रतिनिधि रविश कुमार सिंह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इधर, घटना की सूचना मिलने पर शुक्रवार कों एस आई रामकुमार के नेतृत्व में पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया। इसके बाद शुक्रवार सुबह शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, समस्तीपुर भेज दिया गया। थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर पुलिस विधि-सम्मत कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद पीड़ित परिवार को नियमानुसार सरकारी मुआवजा दिलाने की कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की ओर से ग्रामीणों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की जा रही है। ग्रामीणों से कहा गया है कि वे छोटे बच्चों को जलजमाव वाले क्षेत्रों में अकेले न जाने दें। पानी से भरे गड्ढों, नालों, खेतों और जलमग्न रास्तों के आसपास विशेष सावधानी बरतें।

प्रधानाध्यापक की दृढ़ इच्छाशक्ति और जनसहयोग से बदली यूएमएस भेलानारी की तस्वीर, बना मिसाल

बीएनएम@ उज्ज्वल मिश्रा

अरेराज। दृढ़ इच्छाशक्ति, कुशल नेतृत्व और सामुदायिक सहभागिता के बल पर कैसे एक संसाधनविहीन विद्यालय को मॉडल स्कूल में बदला जा सकता है, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण अरेराज प्रखंड स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय (यूएमएस) भेलानारी बन चुका है। कभी जर्जर भवन, बुनियादी सुविधाओं के अभाव और उपेक्षा का शिकार रहने वाला यह विद्यालय आज पूरे जिले और राज्य स्तर पर अपनी उत्कृष्ट शिक्षा व प्रबंधन के लिए पहचान बना रहा है। विद्यालय में इस ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत दिसंबर 2018 में हुई, जब पं. मदनमोहन नाथ तिवारी ने बतौर प्रधानाध्यापक प्रभार संभाला। उस समय विद्यालय में पेयजल, शौचालय और चहारदीवारी जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं थीं। वर्ष 2002 से लंबित पड़े दो कमरों में झाड़ियां उग आई थीं। परिसर का उपयोग लोग खलिहान और पशु बांधने के लिए करते थे, वहीं पास की गहरी नहर के कारण बच्चों की सुरक्षा पर भी खतरा बना रहता था। इन वजहों से अभिभावकों का सरकारी व्यवस्था से भरोसा उठ चुका था और विद्यालय में बच्चों की दैनिक उपस्थिति 50 से भी कम रह गई थी। जनसहयोग से शुरू हुआ कायाकल्प का सफर प्रधानाध्यापक ने इस विकट स्थिति को चुनौती मानकर बदलाव का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष उमेश कुमार सिंह के अनुसार, सरकारी मदद का इंतजार करने के बजाय प्रधानाध्यापक ने ग्रामीणों और दानदाताओं को साथ जोड़कर अभियान शुरू किया। नहर की तरफ ऊंची चहारदीवारी बनाई गई ताकि बच्चे सुरक्षित रहें। वर्षों से अधूरे पड़े दो कमरों का निर्माण कार्य भी आपसी सहयोग से पूरा कराया गया। आधुनिक सुविधाओं से लैस हुआ परिसर आज विद्यालय में सुसज्जित कक्षा-कक्ष, पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, सीसीटीवी निगरानी, स्वच्छ पेयजल और बालक-बालिकाओं के लिए पृथक शौचालय उपलब्ध हैं। चेतना सत्र के लिए आकर्षक मंच, इंटरलॉकिंग परिसर तथा परिसर को हरा-भरा रखने के लिए पौधरोपण और पोषण वाटिका (किचन गार्डन) बनाई गई है। ग्रामीणों ने खुलकर सहयोग किया—किसी ने सीमेंट तो किसी ने पंखे, पुस्तकें और पौधे भेंट किए। उपस्थिति में भारी उछाल, निजी स्कूलों से लौट रहे बच्चे भौतिक विकास के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता और संस्कारों पर विशेष जोर दिया गया। प्रधानाध्यापक स्वयं पिछड़े टोले-मोहल्लों में जाकर अभिभावकों से मिले और बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया। इसका असर यह हुआ कि अब विद्यालय में 250 से अधिक छात्र नियमित रूप से आ रहे हैं। आसपास के निजी विद्यालयों को छोड़कर बच्चे अब यूएमएस भेलानारी में दाखिला ले रहे हैं। मध्याह्न भोजन में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है, जहां बच्चे पंक्तिबद्ध होकर भोजन मंत्र के साथ अनुशासित तरीके से भोजन करते हैं। अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने की सराहना विद्यालय की इस अद्भुत व्यवस्था का निरीक्षण कई अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों द्वारा किया जा चुका है। उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए विद्यालय को जिलाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यूएमएस भेलानारी की यह सफलता साबित करती है कि यदि नेतृत्व में निष्ठा और समाज का साथ हो, तो सरकारी शिक्षा व्यवस्था का कायाकल्प संभव है।

शिक्षक दिवस पर राज्य के सभी स्कूलों में होगी पेंटिंग प्रतियोगिता

» राज्य परियोजना निदेशक ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के पास भेजा पत्र
» आगलगी से बचाव के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित होगी प्रतियोगिता

बीएनएम@ पटना

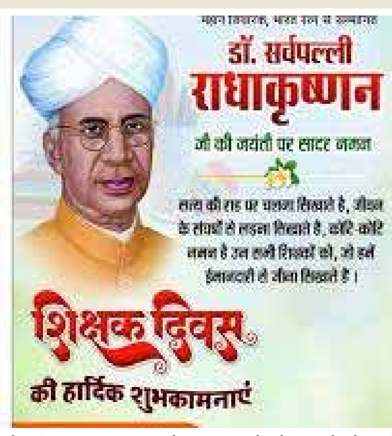

शिक्षक दिवस (5 सितंबर) के अवसर पर शनिवार को राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले छात्र- छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने के लिए बिहार शिक्षा परियोजना निदेशक ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के पास पत्र भेजा है। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा है कि विद्यालयों में अगलगी से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 5 सितंबर को सभी विद्यालयों में पेंटिंग प्रतियोगिता करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा है कि इस पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को अगलगी से बचाव के उपायों पर चित्रांकन करने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि बच्चों को अगलगी होने पर उससे बचने के बारे में जानकारी हो सके। राज्य परियोजना निदेशक ने कहा है कि प्रतियोगिता के बाद इसकी जानकारी प्राधिकरण को दी जाए कि कितने विद्यालयों में बच्चों के बीच यह पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई है। साथ ही विद्यालय स्तर पर पेंटिंग बनाने वाले विद्यार्थियों में से प्रथम, द्वितीय और तृतीय श्रेणी को पुरस्कृतकिया जाए।

बाढ़ की चपेट में मोहिउद्दीननगर के 31 विद्यालय, पठन-पाठन बाधित

» निचले इलाकों में बढ़ी परेशानी, कई गांवों में घुसा बाढ़ का पानी
» जरूरत पड़ने पर और विद्यालय किए जाएंगे स्थानांतरित

बीएनएम@ समस्तीपुर

गंगा नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि से मोहिउद्दीननगर प्रखंड में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। बाढ़ का पानी प्रखंड के निचले इलाकों में फैलने के साथ ही दो दर्जन से अधिक विद्यालयों को भी अपनी चपेट में ले चुका है। इसके कारण पठन-पाठन प्रभावित हो गया है। वहीं, करीब दर्जनभर गांवों में बाढ़ का पानी फैल जाने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। कई परिवारों के घरों में पानी प्रवेश कर जाने से लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रखंड संसाधन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रखंड के कुल 31 विद्यालयों को अन्य सुरक्षित विद्यालयों में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सह राजस्व अधिकारी सृष्टि सागर ने बताया कि बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रखंड के सभी विद्यालयों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रभावित विद्यालयों को सुरक्षित विद्यालयों में स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने बताया कि यदि जलस्तर में और वृद्धि होती है तथा किसी अन्य विद्यालय में भी बाढ़ का पानी पहुंचता है, तो आवश्यकता के अनुसार वहां का पठन-पाठन भी बंद कर विद्यार्थियों को नजदीकी सुरक्षित विद्यालय में समायोजित किया जाएगा। लगातार बढ़ रहे गंगा के जलस्तर से दियारा और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी का फैलाव इसी तरह जारी रहा तो आने वाले दिनों में आवागमन के साथ-साथ दैनिक जीवन और बच्चों की पढ़ाई पर भी और अधिक असर पड़ सकता है।

सदियों पुरानी परंपरा के बीच पदुमकेर में गूंजा 'नंद के घर आनंद भयो'

कृष्ण की जीवंत झांकी ने मोहा मन, तीन मंदिरों में सजा भव्य मेला; देर रात तक उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

बीएनएम@ पताही

पदुमकेर गांव में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की सदियों पुरानी परंपरा इस वर्ष भी पूरे धार्मिक उत्साह और उल्लास के साथ जीवंत हो उठी। जन्माष्टमी के मौके पर गांव में निकली भगवान श्रीकृष्ण की जीवंत झांकी आकर्षण का केंद्र रही। बाल कृष्ण के स्वरूप और उनकी लीलाओं के मनमोहक दृश्य देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। जन्माष्टमी को लेकर पदुमकेर के अलावा जिहुली, गोनाही, खरीहनीया और नोनफरवा समेत आसपास के गांवों में भी दिनभर भक्ति और उत्सव का माहौल बना रहा। शाम ढलते ही मेला परिसर श्रद्धालुओं और ग्रामीणों की भीड़ से गुलजार हो गया। पदुमकेर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पूजा समिति के अनुसार, गांव में जन्माष्टमी की तैयारियां सावन महीने से ही शुरू हो जाती हैं। वर्षों से चली आ रही परंपरा के तहत झूला उत्सव के बाद जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण की जीवंत झांकी निकाली जाती है। इस बार भी झांकी में बाल कृष्ण की लीलाओं और उनके विभिन्न स्वरूपों का आकर्षक चित्रण किया गया। झांकी देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े। जन्माष्टमी के अवसर पर पदुमकेर के तीन प्रमुख मंदिरों में भव्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में बच्चों के लिए तरह-तरह के झूले लगाए गए थे। मिठाई, खिलौने, चूड़ियों, परचून सहित विभिन्न सामानों की दुकानें भी सजी थीं। शाम होते ही मेला परिसर में लोगों की भीड़ बढ़ने लगी। आसपास के गांवों के साथ दूर-दराज से भी सैकड़ों श्रद्धालु मेला देखने पहुंचे। बच्चों में झूलों और खिलौनों को लेकर खासा उत्साह रहा, जबकि महिलाओं ने चूड़ियों और घरेलू सामानों की खरीदारी की। जन्माष्टमी पर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में भी भगवान श्रीकृष्ण की झांकी और पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ। नोनफरवा ढांगर टोली में सजी आकर्षक कृष्ण झांकी भी लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रही। देर रात तक श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते रहे। मेले और झांकी को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। पताही थानाध्यक्ष बबन कुमार और पचपकड़ी थानाध्यक्ष उत्तम कुमार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में लगातार गश्त करते रहे। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस की विशेष निगरानी रही, ताकि पर्व के दौरान किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। पदुमकेर में जन्माष्टमी का पर्व आस्था, परंपरा और उत्सव के रंग में सराबोर रहा। पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा के जीवंत रहने से ग्रामीणों में खासा उत्साह दिखा। देर रात तक पूरा क्षेत्र भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में डूबा रहा और मंदिर परिसर जयकारों से गूंजता रहा।

स्विफ्ट डिजायर में छिपाकर ले जा रहे थे 15 किलो गांजा, पुलिस ने दबोचा तस्कर

सेमर चौक पर देर रात घेराबंदी कर कार पकड़ी, मुख्य सरगना फरार; खेप के स्रोत और डिलीवरी प्वाइंट की तलाश

बीएनएम@ विजय कुमार

रामगढ़वा। रामगढ़वा थाना क्षेत्र के सेमर चौक के समीप गुरुवार की देर रात पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए स्विफ्ट डिजायर कार से 15 किलो गांजा बरामद किया। पुलिस ने मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया, जबकि गिरोह का मुख्य सरगना पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। थानाध्यक्ष संजीव मौवार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त मार्ग से कार के जरिए गांजा की खेप ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने सेमर चौक के पास घेराबंदी कर बैरिकेडिंग की और वाहनों की जांच शुरू कर दी। इसी दौरान संदिग्ध स्विफ्ट डिजायर कार को रोककर पुलिस ने तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से 15 किलो गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने कार सवार सावन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सावन कुमार, पिता अमलेश्वर सिंह, ग्राम बाकुलिया, थाना घोड़ासहन, पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस ने गांजा के साथ तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार को भी जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अहम सुराग मिले हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर किस व्यक्ति को पहुंचाया जाना था। मुख्य सरगना की पहचान भी कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। मामले में रामगढ़वा थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपित को न्यायिक प्रक्रिया में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका खंगाल रही है।

54.7 लीटर विदेशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, लूट की बाइक भी बरामद

बतरौलिया में पुलिस की छापेमारी से मचा हड़कंप, बाइक की जांच में खुला लूटकांड का राज

बीएनएम@ अरेराज

पहाड़पुर थाना क्षेत्र के बतरौलिया गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 54.700 लीटर विदेशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने जिस बाइक को जब्त किया, जांच में वह भोपतपुर थाना कांड संख्या 224/23 में दर्ज लूटकांड की निकली। शराब तस्करी के साथ लूटी बाइक मिलने से पुलिस भी सकते में आ गई। बताया गया कि पहाड़पुर थानाध्यक्ष अजय कुमार को सूचना मिली थी कि बतरौलिया गांव के रास्ते शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर वाहन जांच शुरू की। इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रोककर तलाशी ली गई। बाइक पर रखे नीले रंग के कैरेट की जांच में शराब की बड़ी खेप बरामद हुई। पुलिस ने कैरेट से ऑफिसर चॉइस की 240 बोतलें, प्रत्येक 180 एमएल, तथा किंगफिशर स्ट्रॉन्ग बीयर की 23 बोतलें, प्रत्येक 500 एमएल, बरामद कीं। बरामद शराब की कुल मात्रा 54.700 लीटर बताई गई है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान अंकित कुमार, पिता योगेंद्र चौधरी, निवासी खोड़ीपकड़, थाना हरसिद्धि, पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। शराब बरामदगी के बाद पुलिस ने बाइक की गहन जांच की तो उसका संबंध पुराने लूटकांड से सामने आया। जांच में पता चला कि जब्त मोटरसाइकिल भोपतपुर थाना कांड संख्या 224/23 में लूटी गई बाइक है। इसके बाद पुलिस ने शराब के साथ मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया। पहाड़पुर पुलिस अब गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। साथ ही लूट की बाइक के इस्तेमाल और इस मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

प्रतिस्पर्धा तीव्र हुई

2001-20 में भारत में हुई कुल कारोबारी आय का 60 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ पांच घरानों के हाथ में गया। रिलायंस, अडानी, बिड़ला, जिंदल और टाटा- समूहों का अब कॉरपोरेट राजस्व पर असाधारण नियंत्रण है। बीती चौथाई सदी (1991 से) में अपनाई गई आर्थिक नीतियों का सार है कि इनके परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था पर पांच बड़े औद्योगिक घरानों का वर्चस्व कायम हो गया है। 2001 से 2020 भारत में हुई कुल कारोबारी आय का 60 प्रतिशत हिस्सा उन्हीं पांच घरानों के हाथ में गया। उसके बाद ये रुझान और मजबूत ही हुआ है। चार अर्थशास्त्रियों द्वारा तैयार और वर्ल्ड बैंक इकोनॉमिक रिव्यू में प्रकाशित वर्किंग पेपर "बिजनेस ग्रुप्स, कंसंट्रेशन एंड मार्केट पावर इन इंडिया" के मुताबिक रिलायंस, अडानी, बिड़ला (आदित्य), ओपी जिंदल और टाटा- समूहों का कॉरपोरेट राजस्व और आर्थिक शक्ति पर असाधारण नियंत्रण बन चुका है। अध्ययनकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 1991 के बाद लाइसेंस राज खत्म होने, सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आर्थिक क्षेत्रों को आरक्षित रखने का चलन घटने, कंपनियों का अधिग्रहण एवं विलय आसान होने, व्यापार और विदेशी मुद्रा निवेश के लिए नियमों को आसान बनाए जाने, तथा नया प्रतिस्पर्धा अधिनियम अस्तित्व में आने से आरंभिक दिनों में उद्यमों के बीच प्रतिस्पर्धा तीव्र हुई। लेकिन पारिवार आधारित बड़े कारोबारी घराने जल्द ही अपने संपर्कों के जरिए अधिक लाभ उठा सकने की हैसियत में पहुंच गए। 'राष्ट्रीय चैंपियन0 (बड़े घरानों को सरकारी प्राथमिकता देने) की नीति अपनाने के बाद (मुख्यतः नरेंद्र मोदी राज में) यह परिघटना और मजबूत हो गई। 2020 आते-आते शीर्ष 25 पारिवारिक व्यापार समूहों का राजस्व भारत की जीडीपी के 15 प्रतिशत से अधिक हो गया था। वैसे, 2010-11 की सबसे बड़े समूहों की रैंकिंग पर ध्यान दें, तो साफ होता है कि तब से इसमें बहुत कम बदलाव हुए हैं। यह बाजार पर चंद घरानों के दीर्घकालिक वर्चस्व का उदाहरण है। वर्किंग पेपर के मुताबिक पहले अत्यधिक वर्चस्व रखने वाले सार्वजनिक/सरकारी क्षेत्र के प्रभाव में सिकुड़न आने से आरंभ में समग्र बाजार संकेंद्रण घटा। लेकिन जल्द ही बड़े औद्योगिक घरानों ने ज्यादातर खुले नए क्षेत्रों में प्रवेश कर लिया। यह निष्कर्ष आम अनुभव और पहले हुए अध्ययनों के नतीजों के अनुरूप ही है। यह स्थिति बताती है कि क्यों भारतीय अर्थव्यवस्था तीव्र वृद्धि दर हासिल करने के बावजूद आम जन की बुनियादी आर्थिक जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रही है।

सकल घरेलू उत्पाद में भारत का प्रभावशाली प्रदर्शन

7.8 प्रतिशत वास्तविक जीडीपी वृद्धि के साथ 2026-27 की मजबूत शुरुआत

2026-27 के लिए भारत की अर्थव्यवस्था की शुरुआत मजबूती के साथ हुई जिसमें विनिर्माण और सेवाओं के अच्छे प्रदर्शन के साथ पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी में 7.8 प्रतिशत तक वृद्धि हुई जबकि वास्तविक सकल मूल्य वृद्धि में 8.2 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। निवेश 11.9प्रतिशत तक बढ़ गया; घरेलू खपत 7.1 प्रतिशत बढ़ गई और निर्यात 12.0 प्रतिशत बढ़ गया। यह गति जुलाई में भी जारी रही। औद्योगिक उत्पादन में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि अप्रैल-जुलाई के दौरान संचयी व्यापारिक और सेवाओं के निर्यात में वर्ष-दर-वर्ष 13.16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जुलाई में उद्योग और सेवाओं के लिए ऋण क्रमशः 20.0 प्रतिशत और 22.9 प्रतिशत बढ़ा।

भारत की समग्र आर्थिक स्थितिः भारत ने लगातार भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार को लेकर अनिश्चितता के बीच 2026-27 में प्रवेश किया। इन बाहरी दबावों के बावजूद 2026-27 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत बढ़ी। यह परिणाम 2023-24 से 2026-27 तक चार वर्षों की अवधि के दौरान पहली तिमाही में दर्ज वास्तविक जीडीपी की उच्चतम वृद्धि को रेखांकित करता है। घरेलू मांग में तेजी तथा विनिर्माण और सेवाओं में लाभ से इसे समर्थन मिला है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका का उल्लेख किया है। जुलाई 2026 में इसने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक और वैश्विक विकास का प्रमुख इंजन बताया।भारत की ऋण संबंधी साख के मूल्यांकन में भी इसकी झलक मिलती है कि विश्व को भारत की अर्थव्यवस्था पर पूरा भरोसा है। अगस्त 2026 में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने स्थिर दृष्टिकोण के साथ भारत की 'बीबीबी/ए-2' सॉवरेन रेटिंग की पुष्टि की। इससे पहले, 18 वर्षों के अंतराल के बाद 2025 में इसकी दीर्घकालिक रेटिंग को 'बीबीबी' में अपग्रेड किया गया था। 2026-27 की मजबूत शुरुआतः पहली तिमाही में विकास की गति तेज़ 2026-27 की पहली तिमाही (क्यू1) में आर्थिक विकास मजबूत हुआ। यह परिणाम इस तिमाही के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के 7.0 प्रतिशत के अनुमान को पार कर गया है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी या स्थिर कीमतों पर जीडीपी 81.36 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के 6.9 प्रतिशत की तुलना में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। नॉमिनल जीडीपी या वर्तमान कीमतों पर जीडीपी 88.27 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसने विगत वर्ष के 8.1 प्रतिशत की तुलना में 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) एक लेखांकन अवधि में घरेलू अर्थव्यवस्था में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य है। वास्तविक सकल मूल्य वृद्धि (जीवीए) 73.82 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जिसमें विगत वर्ष के 7.0 प्रतिशत की तुलना में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नॉमिनल जीवीए 80.53 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जिसमें विगत वर्ष के 8.1 प्रतिशत की तुलना में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। सकल मूल्य वृद्धि (जीवीए) अर्थव्यवस्था में उत्पादकों, उद्योगों या क्षेत्रों के व्यक्तिगत योगदान को मापता है। विगत तीन वित्त वर्षों के लिए वास्तविक जीडीपी को बढ़ाकर संशोधित किया गया है। संशोधनों से पता चलता है कि पहली तिमाही का प्रदर्शन पूर्ववर्ती अनुमान की तुलना में मजबूत विकास पथ का अनुसरण करता है। वार्षिक संशोधित अनुमान आधार वर्ष 2022-23 के साथ नए मूल्य और उत्पादन सूचकांकों के उपयोग को दर्शाते हैं। इसमें आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (पीपीआई) और बैंकिंग सर्विसेज प्राइस इंडेक्स (बीकेएसपीआई) शामिल हैं। इसमें विभिन्न स्रोतों से अद्यतन प्रशासनिक आंकड़े भी शामिल किए गए हैं।

राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी संशोधनों के बारे में अधिक पढने के लिए, कृपया देखेंः महत्वपूर्ण चीज़ों की गिनतीः भारत के राष्ट्रीय खातों और मुख्य आर्थिक आँकड़ों को मज़बूत करनाविकास के कारकों की संरचना, प्रमुख व्यय घटकों में रुझानः पहली तिमाही में आर्थिक गतिविधियों को निवेश में तीव्र वृद्धि, घरेलू खपत में मजबूती और निर्यात में बढ़ोतरी का समर्थन मिला।

प्रमुख क्षेत्रों में विकास का विस्तारः व्यय में मजबूती उत्पादन पक्ष पर भी परिलक्षित हुई जिसमें तृतीयक और द्वितीयक क्षेत्रों का तेजी से विस्तार हो रहा है। वास्तविक जीवीए के संदर्भ में तृतीयक क्षेत्र में 2026-27 की पहली तिमाही में 10.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो 2025-26 की पहली तिमाही में हुई 8.0 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। इस क्षेत्र में वित्तीय, रियल एस्टेट, आईटी और पेशेवर सेवाओं में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। द्वितीयक क्षेत्र में 2026-27 की पहली तिमाही में 8.6 प्रतिशत का विस्तार हुआ जबकि विगत वर्ष की इसी तिमाही में यह 6.1 प्रतिशत था। प्रमुख क्षेत्रों में मजबूत उत्पादन के समर्थन से विनिर्माण में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कई विनिर्माण श्रेणियों ने भी इस तिमाही के दौरान अच्छा प्रदर्शन कियाः आईआईपी के अंतर्गत 2026-27 की पहली तिमाही में पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन भी 15.2 प्रतिशत बढ़ा जबकि एक साल पहले यह 8.8 प्रतिशत था। बुनियादी ढांचे/ निर्माण संबंधी सामग्रियों में भी 7.2 प्रतिशत की उच्च वृद्धि दर्ज की गई जो विगत वर्ष के 6.1 प्रतिशत से अधिक है।

मजबूत और स्थिर औद्योगिक गतिविधिः जुलाई 2026 में औद्योगिक उत्पादन में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि विगत वर्ष यह 5.4 प्रतिशत थी। अप्रैल-जुलाई 2026-27 में इसमें विगत वर्ष की समान अवधि के 4.0 प्रतिशत की तुलना में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि की गई। जुलाई 2025 की तुलना में जुलाई 2026 में पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन 16.1 प्रतिशत बढ़ गया। कच्चे माल और मध्यवर्ती वस्तुओं में 10.0 प्रतिशत और बुनियादी ढांचे और निर्माण सामग्रियों में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। प्रमुख उद्योगों के सूचकांक (आईसीआई) ने जुलाई 2025 की तुलना में जुलाई 2026 में 5.4 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की। अप्रैल-जुलाई 2026-27 के दौरान, आईसीआई में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो विगत वर्ष की इसी अवधि में 1.5 प्रतिशत थी। निर्यात का मजबूत प्रदर्शनः भारत से वस्तुओं और सेवाओं का कुल मिलाकर किया जानेवाला निर्यात जुलाई 2026 में अनुमानित 80.14 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया जो जुलाई 2025 की तुलना में 13.31 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल-जुलाई 2026-27 के दौरान संचयी निर्यात का अनुमान 316.42 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। यह अप्रैल-जुलाई 2025-26 के दौरान दर्ज 279.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 13.16 प्रतिशत अधिक है। प्रमुख क्षेत्रों में ऋण का विस्तारः जुलाई 2026 में प्रमुख क्षेत्रों में बैंक ऋण वृद्धि मजबूत हुई। कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋण में जुलाई 2025 के 7.3 प्रतिशत की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष 17.0 प्रतिशत वृद्धि हुई। उद्योग को ऋण में 20.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो जुलाई 2025 के 6.5 प्रतिशत से अधिक है। सेवा क्षेत्र को ऋण जुलाई 2025 के 10.2 प्रतिशत की तुलना में 22.9 प्रतिशत बढ़ गया। विकास को बढ़ावा देने वाले हालिया नीतिगत उपायः विनिर्माण, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश तथा कृषि के क्षेत्रों तक 2026 के दौरान शुरू किए गए नीतिगत उपायों ने इन आर्थिक रुझानों को और मजबूत किया है। विनिर्माण और उद्योगः मोबाइल फोन निर्माण योजना (जुलाई 2026) का परिव्यय 2030-31 तक 62,500 करोड़ रुपये है। इसका उद्देश्य उत्पादन का और विस्तार करना, बेहतर मूल्यवर्धन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करना है। जुलाई 2026 में स्वीकृत सेमीकॉन 2.0 का बजट परिव्यय 1,27,500 करोड़ रुपये है। यह चिप डिजाइन और विनिर्माण, उन्नत पैकेजिंग, अनुसंधान, सामग्री, उपकरण और प्रतिभा विकास का समर्थन करता है। जुलाई 2026 में स्वीकृत, भव्य रसायन योजना का परिव्यय वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 तक 5 वर्षों की अवधि के लिए 3,030 करोड़ रुपये है। यह देश भर में तीन समर्पित रासायनिक पार्कों की स्थापना में सहायता करेगा। आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना 5.0 (ईसीएलजीएस 5.0) से पश्चिम एशिया की स्थिति को देखते हुए 2.55 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऋण प्रवाह का लक्ष्य रखा गया है। यह लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्यमों के लिए 100 प्रतिशत और गैर-एमएसएमई के लिए 90 प्रतिशत गारंटी कवरेज प्रदान करता है। अगस्त 2026 में संसद में पारित एमएसएमई विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 अनुपालन को सरल बनाता है तथा एमएसएमई के विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता का समर्थन करता है। ऊर्जा सुरक्षाः राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना, समुद्र मंथन का वित्त वर्ष 2030-31 तक 84,084 करोड़ रुपये का परिव्यय है। यह योजना भारत की अपतटीय ऊर्जा क्षमता को सामने लाने के लिए अन्वेषण में सहयोग करेगी। सतही कोयला/ लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने की योजना को मई 2026 में 37,500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ स्वीकृति दी गई थी। इससे 2030 तक 100 मीट्रिक टन कोयला गैसीकरण के लक्ष्य को सहयोग मिलेगा और आयात निर्भरता को कम करने का लक्ष्य है। राष्ट्रीय सर्कुलर जैव ऊर्जा योजना गोबरधन को अगस्त 2026 में 23,731 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ अनुमोदित किया गया था। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 तक लागू की जाएगी। इसका उद्देश्य कृषि, पशु और नगरपालिका के जैविक कचरे से संपीडित बायोगैस उत्पादन को बढ़ाना है।

जयशंकर से अधिक राम माधव उपयोगी रहे

हरिशंकर व्यास

मैंने जनसंघ, भाजपा को बढ़ते-बनते देखा है। लोकसभा की दो सीट (1984) व 7.7 प्रतिशत वोटों से 282 सीटें (2014) तथा 31.3 प्रतिशत वोट प्राप्ति का विकास भी देखा। 1984 से 2014 के इन तीस वर्षों में भाजपा-संघ की तब पूंजी थी चाल, चेहरा और चरित्र। और इसी के क्रम में 2014 में नरेंद्र मोदी ने एकछत्र सत्ता पाई।

वह सब अब उस खोखे में कनवर्ट है, जिसका न कोई धर्म है, न ईमान और न चरित्र। इन बारह वर्षों में अमित शाह से मौजूदा नितिन नवीन की अध्यक्षता की भाजपा भारत की राजनीति का वह खोखा बन चुकी है, जो गुजराती-मारवाड़ी धनपशुओं की कॉर्पोरेट शेल (खोखा) कंपनियों की धंधेबाजी का मात्र एक मॉडल है। खोखा मॉडल मतलब दिखावे के लिए, ऊपरी तौर पर एक वैध, कानूनी और जीवंत ढांचे की झांकी है, लेकिन असल में एक मालिक के स्वामित्व, निर्णय-शक्ति, उसकी निज संपत्ति व निज भूख का वह भभका होता है, अनैतिक धंधा होता है। जैसे अरबपतियों के कॉर्पोरेशन की खोखा कंपनियां कागज़ों पर निदेशक, वार्षिक बैठकें और शेयरधारकों की मौजूदगी दिखाती हैं, लेकिन किसी के पास रियल फैसलों का अधिकार नहीं होता, वैसे ही नरेंद्र मोदी-अमित शाह ने पूरी भाजपा, उसकी हर स्तर की सत्ता, संगठनात्मक मोर्चों को खोखा कंपनियों में बदल दिया है। पूरे ताने-बाने में नरेंद्र मोदी के अलावा किसी भी चेहरे का अर्थ नहीं है। तभी इस सप्ताह मैंने नितिन नवीन की अध्यक्षता के पदाधिकारियों की लिस्ट देखी तो तत्क्षण मुझे 1980 दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में भाजपा गठन के चेहरे याद हो आए। तब चेहरे अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी, उपाध्यक्ष आडवाणी, राम जेठमलानी, विजयराजे, के. एस. हेगड़े, सिकंदर बख्त थे। महामंत्री थे नानाजी देशमुख (शुरुआती बैठकों में मार्गदर्शक), यदुनाथ जोशी, लालजी टंडन, सुरजीत सिंह बरनाला। वही शांतिभूषण कोषाध्यक्ष। कार्यकारिणी में थे मुरली मनोहर जोशी, भैरोसिंह शेखावत, शांताकुमार, सुषमा स्वराज, प्रमोद महाजन, जे. जे. कृष्णमूर्ति, आरिफ बेग, जगन्नाथराव जोशी, सुंदरसिंह भंडारी। वाजपेयी के बाद आडवाणी तीन बार, मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे एक-एक बार अध्यक्ष बने।

फिर वाजपेयी-आडवाणी की सरकार बनी, तब सत्ता ने अपनी सहूलियत से अध्यक्ष बनवाए थे। बावजूद इसके संघ से सलाह करके ही तब जनसंघ-संघ में खंपे के जनाकृष्ण, बंगारू लक्ष्मण, वेंकैया नायडु के चेहरे थे। फिर राजनाथ सिंह व नितिन गडकरी अध्यक्ष बने। इनके उपाध्यक्ष, महामंत्री, कार्यकारिणी सदस्य एक से बढ़कर एक, हैसियत वाले चेहरे थे। तीस-चालीस साल जमीनी राजनीति में खपने वाले। न तब कोई मुखौटा संस्था व चेहरे थे और न सत्तावान नेताओं ने होल्डिंग कंपनी, याकि आरएसएस को कभी औकात दिखाई। सभी जमीनी याकि मास लीडर थे। शेखावत, शांताकुमार, प्रमोद महाजन, कल्याण सिंह, सुषमा स्वराज आदि सभी अपनी-अपनी पूंजी लिए हुए थे। मजाल जो मजदूर संघ (दत्तोपंत ठेंगड़ी), स्वदेशी जागरण मंच या किसान संघ प्रधानमंत्री वाजपेयी के आगे बोलती बंद रखें या सरकार की तुताड़ी बजाएं। तब संघ प्रमुखों और पदाधिकारियों का भी वजूद व धर्म-ईमान था। निश्चित ही 1980 में देवरस, राजेंद्र सिंह और सुदर्शन का बोलना तब मतलब रखता था। इनके समय में मौजूदा मोहन भागवत की तरह नरेंद्र मोदी या अमित शाह के आगे संघ पदाधिकारियों का भीगी बिल्ली वाला व्यवहार नहीं था। तब राममंदिर आंदोलन मामले में संघ के एक मोरोपंत पिंगले सालों कर्ताधर्ता रहे। पर वे आज के संघ प्रचारक चंपत राय (मंदिर की चंदा चोरी), कृष्णगोपाल (विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों), इंद्रेश कुमार, सुरेश सोनी आदि जैसे नहीं थे। जाहिर है प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता की अपनी भूख के साथ संघ को भी पावर के नशे में झुमा दिया है। पूरे कुएं में भांग घुली हुई है। तभी चाल-चेहरे-चरित्र में पतन का वह पैंदा है, जिसके चलते दुनिया में भारत अब उभरता हुआ नहीं, बल्कि कॉकरोचों, गधेड़ों, दिमागी नक्सलियों जैसी बातों वाला देश है। सोचें, भाजपा की नई टीम के चेहरों पर। नितिन नवीन की अध्यक्षता के मातहत अब राम माधव और वसुंधरा राजे बतौर उपाध्यक्ष हैं। यह इनका मान है या अपमान? बारह वर्षों से राम माधव दुनियाभर में फैले प्रवासी भारतीयों की भीड़ मोदी के लिए जुटवाई। मतलब जयशंकर से अधिक राम माधव उपयोगी रहे। उस हिसाब से मोदी को एक नौकरशाह जयशंकर की जगह राम माधव को विदेश मंत्री रखना था। लेकिन माधव क्योंकि राजनीतिक चेहरा हैं, वे बौने नहीं हैं तो नाकाबिल। दूसरी तरह देखें नितिन नवीन हाल में स्वयं की विधानसभा सीट पर भाजपा को नहीं जितवा पाए थे लेकिन वे वसुंधरा राजे के बॉस हैं। यदि वसुंधरा राजे को संगठन के प्रमुख पद, राष्ट्रीय महामंत्री पद दिया जाता, तब भी उनके नाम से पद की धमक बनती। पर इस पद पर स्मृति ईरानी को बैठाया और हवाबाजी यह कि उनके और उन जैसे नए चेहरों से भाजपा युवाओं का दिल जीतेगी।

सो नितिन नवीन और भाजपा की नई टीम का एक ही मतलब है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह का एक वह खोखा, जो काम करता दिखेगा, लेकिन एक-एक बात पर मोदी-शाह के आदेशों से। ऐसी भाजपा वाजपेयी, आडवाणी से राजनाथ सिंह तक नहीं थी। तब कार्यकारिणी की बैठक हो या संसदीय बोर्ड की बैठक, सभी में पदाधिकारी अपनी-अपनी बात रखते थे, बहस करते थे। संघ से पूछते थे। सभी की निज हैसियत, आवाज थी। चेहरा, चाल, चरित्र था। तब न खोखा था और न उस पर नाचते-गाते अनाम, बौने लोग। इसलिए तब और अब का फर्क यह भी है कि प्रधानमंत्री वाजपेयी और गृहमंत्री आडवाणी जब सरकार चला रहे थे, तब उनका, उनकी सरकार का पक्ष-विपक्ष, देश-दुनिया में मान था, आदर था। उन्हें किसी ने गाली नहीं दी। न पुरानी पीढ़ी ने दी, न युवा लड़के-लड़कियों ने दी।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपको जिम्मेदारी भरा काम मिल सकता है। काम करने में कुछ चुनौतियां आएंगी, लेकिन आप किसी कलीग की मदद से पूरा कर लेंगे। आज आप अपने मन की कोई बात माता जी से शेयर करेंगे, जिससे आपके आपको रिलैक्स महसूस करेंगे। लवमेट की फोन पर देर तक बात होगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपको संतान की तरफ से कोई खुश खबरी मिलेगी। साथ ही आप उनके करियर को और बेहतर बनाने के लिए गुरु विचार-विमर्श करेंगे। आज आप अपना कोई पुराना लेन देन चुकता कर देंगे आपको राहत मिलेगी। जॉब की तलाश कर रहे लोगों की तलाश पूरी होगी, अच्छी जगह से जॉब का प्रस्ताव आयेगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको धैर्य से काम करने की जरूरत है। कुछ लोग आपके कार्यों में रूकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपकी बुद्धिमत्ता के आगे उनका कोई जोर नहीं चलेगा। स्टूडेंट्स के करियर में आ रही रुकावटों का आज समाधान मिल सकता है।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपके बिजनेस में किये गये बदलाव से आपको अच्छी इनकम होगी। आज आपको उधार के लेन देन को अवॉयड करने की जरूरत है। किसी से बात करते समय आपको सोच समझ कर बोलने की आवश्यकता है।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको जमीन जायदाद से जुड़े मामलों में जीत मिलेगी, घर में ख़ुशी का माहौल बनेगा। आज अपने ईगो को छोड़कर दूसरों की सलाह पर अमल करने की जरूरत है। बिजनेसमैन के लिए आज का दिन बेहद अच्छा रहेगा, आज किसी डील को फाइनल करेंगे। दाम्पत्य जीवन में सौहार्द बना रहेगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको इनकम का नया सोर्स मिलेगा लेकिन साथ ही आपके खर्चो में भी बढ़ोतरी हो सकती है। आज कहीं जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आगे चलकर आपकी अच्छी दोस्ती हो सकती है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज ससुराल पक्ष से कोई खुशखबरी मिल सकती है, जिससे पूरे दिन आपके चेहरे पर मुस्कान बनी रहेगी। आज आपकी मेहनत करने की क्षमता को देखकर माता पिता आप पर गर्व महसूस करेंगे। काफी समय से एक ही जगह पर कार्य कर रहे लोगों की सैलरी में इन्क्रीमेंट होगा। आज किसी खास रिश्तेदार के आगमन से घर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी मित्र की उपलब्धियों का जश्न मनाएंगे। आज किसी कोर्ट केस में जीत हासिल होने से पूरे दिन आप प्रसन्न रहेंगे। घर में डेकोरेशन का काम करवाने का विचार बनायेंगे, जीवनसाथी से राय लेंगे। बिजनेसमैन आज आप किसी बड़े प्रोडक्ट की फ्रेंचाइजी लेने का मन बनायेंगे।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप बेवजह की भाग दौड़ को अवॉयड करेंगे और अपने काम को पूरी एकाग्रता से करेंगे। आज घर में बेटी की बड़ी तरक्की से परिवार का माहौल खुशी से भरा रहेगा। किसी भी परिस्थिति में अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। ऑफिस में स्टाफ के साथ अच्छे व्यवहार बना कर रखें, जिससे किसी जरूरी काम में आपको हर संभव मदद मिलती रहे। परिवार में किसी नन्हे मेहमान के आने से खुशी का माहौल बना रहेगा। स्वास्थ्य सम्बंधित समस्या से आपको छुटकारा मिलेगा।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिलेगा। इस राशि के प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है। आज थोड़ी मेहनत से किसी बड़े फायदे का योग बना हुआ है। कामकाज में आज आपको गोपनीयता बनाकर रखने की जरूरत है।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए ख़ास रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार के आने से आपकी डेली रूटीन में कुछ बदलाव हो सकता है, लेकिन साथ ही घरवालों में उल्लास भी बना रहेगा। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। लवमेट आज आपको रिंग गिफ्ट कर सकते हैं।

दिव्या के इस्तीफे को विपक्ष का हथियार नहीं बनने देगी सरकार!

मनोज कुमार अग्रवाल

आप जानते हैं कि यूपीएससी परीक्षा पास करने के लिए हर साल तेरह लाख से अधिक बच्चे तैयारी करते हैं हर साल भारत में लगभग 11 लाख से 13 लाख छात्र यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) सिविल सेवा परीक्षा के लिए आवेदन करते हैं। यानि हर साल औसतन 11 से 13 लाख उम्मीदवार फॉर्म भरते हैं।प्रारंभिक परीक्षा में इनमें से लगभग 50% से 55% छात्र ही (यानी करीब 5 से 6 लाख) वास्तव में परीक्षा देने आते हैं।मुख्य परीक्षाः प्रारंभिक परीक्षा पास करके लगभग 14,000 से 15,000 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुँचते हैं। इसके बाद लगभग 2,500 से 3,000 छात्र साक्षात्कार के लिए चुने जाते हैं। आखिर में लगभग 800 से 1,000 उम्मीदवारों का चयन अंतिम सूची में होता है।दर्जनों अभ्यर्थी हर साल इस प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने असफल रहने या बार बार असफल होने पर अवसाद ग्रस्त होकर कई बार सुसाइड तक कर लेते हैं। यह सब बताने का मकसद सिर्फ इतना ही है कि जिस भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होने के लिए करीब पंद्रह लाख युवा हर साल सपना देखते हैं दिन रात भूख- प्यास त्यौहार - उत्सव सब की चकाचौंध से किनारा कर सिर्फ एक नियुक्ति पाना जीवन का उद्देश्य बना लेते हैं लेकिन यदि कोई भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी जिसकी 17 साल सेवा बाकी हो जिनको कई पदोन्नति भी मिल सकती है पूरे होशो हवास में सिर्फ तेरह साल की सर्विस कर प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दे तो इसे किस तरह देखा जाएगा? यूपी कैडर की 2013 बैच की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने रविवार 30 अगस्त 2026 को प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दिया। वर्तमान समय में वह राजस्व विभाग में विशेष सचिव पद पर तैनात थीं। दिव्या मित्तल ने बाद सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट लिखकर अपने इस्तीफे की जानकारी शेयर की।इस्तीफे से सियासी गलियारों में भूचाल आ गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने इस गंभीर मामले में राज्यपाल को पत्र लिखकर अधिकारियों के सम्मान की रक्षा की मांग की है। आपको बता दें कि मिर्जापुर और देवरिया की जिलाधिकारी रह चुकीं दिव्या मित्तल अपने कार्यकाल और जनसरोकार से जुड़े कामों को लेकर चर्चा में रही हैं। आप जानते हैं कि सिर्फ शोहरत और दौलत हासिल कर लेना ही की बार व्यक्ति की आत्मसंतुष्टि नहीं कर पाता है। दरअसल जिसको हासिल नहीं होता है वह खोजने पाने के लिए बेचैन हो जाता है लेकिन जिसे हासिल होता है उसे वह प्राप्त भी कई बार मिथ्या नज़र आता है। दिव्या मित्तल पहले उत्तर प्रदेश के कई जिलों में जिलाधिकारी रह चुकी हैं। मई के पहले सप्ताह में उन्हें देवरिया के जिलाधिकारी पद से हटाकर राजस्व विभाग में तैनाती दी गई थी। डीएम पद से हटाए जाने के बाद उनकी कुछ सोशल मीडिया पोस्ट भी चर्चा में रही थीं। अब उनके इस्तीफे के बाद एक बार फिर उनकी कार्यशैली, पिछली तैनातियों और इस्तीफे की वजह को लेकर बहस शुरू हो गई है। फिलहाल इस्तीफे की असली वजह क्या है, इस पर दिव्या मित्तल की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने बीते रविवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा देने की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर दी थी। हालांकि, उन्होंने अपने इस्तीफे की कोई वजह नहीं बताई। इसके बाद सोशल मीडिया से लेकर यूपी की सियासत तक उनके इस फैसले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। अब भाजपा के मीडिया पैनलिस्ट और सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत उमराव ने दिव्या मित्तल की कार्यशैली और उनके इस्तीफे को लेकर कई सवाल उठाए हैंप्रशांत उमराव ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दिव्या मित्तल पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस्तीफे के पीछे राहुल गांधी से मुलाकात का दावा करते हुए सवाल खड़े किए। हालांकि, आईएएस अधिकारी की ओर से इसकी कोई वजह नहीं बताई गई है।प्रशांत उमराव ने X पर लिखा कि दिव्या मित्तल ने इस्तीफा तो दे दिया, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि राहुल गांधी से मिलने के बाद उन्होंने इस्तीफा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे किसी राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश हो सकती है। उन्होंने दिव्या मित्तल की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए लिखा कि उनमें हमेशा बड़े पद पर रहने की इच्छा थी और संयुक्त सचिव का पद उन्हें पसंद नहीं आया। उन्होंने यह भी दावा किया कि डीएम के बाद सीधे कमिश्नर बनने की इच्छा थी।प्रशांत उमराव ने दिव्या मित्तल की कार्यशैली को लेकर सवाल करते हुए कहा कि जिन जिलों में वह तैनात रहीं, वहां किसी न किसी जनप्रतिनिधि से उनका तालमेल नहीं बन पाया। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर अलग-अलग जगहों पर जनप्रतिनिधियों से परेशानी रही तो हर जगह जनप्रतिनिधि गलत नहीं हो सकते। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं के प्रचार और उद्घाटन को लेकर भी उनकी कार्यशैली पर सवाल उठते रहे। प्रशांत उमराव ने दावा किया कि केंद्र सरकार की हर घर योजना को भी उनके प्रयास के तौर पर प्रचारित किया गया और स्थानीय सांसद को कार्यक्रम में नहीं बुलाया गया। उधर विपक्ष दिव्या मित्तल के इस्तीफे को मुद्दा बनाने की कोशिश में हैं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को एक पत्र भेजा है। यह पत्र 2013 बैच की महिला आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल द्वारा 30 अगस्त को सोशल मीडिया पर लगभग 13 वर्ष की सेवा के बाद अपने त्यागपत्र को सार्वजनिक करने के संबंध में लिखा गया है। इस घटना के माध्यम से प्रदेश में सक्षम प्रशासनिक अधिकारियों के सम्मान और स्वतंत्र कार्यप्रणाली की रक्षा करने का आग्रह किया गया है ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था पर जनता का भरोसा बना रहे। दिव्या मित्तल के इस्तीफे पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के कारण ईमानदार अधिकारियों को सम्मान नहीं मिल रहा है, जिससे कई अफसर रिटायरमेंट की इच्छा जता रहे हैं। उन्होंने मंदिर चोरी का जिक्र करते हुए कहा कि स्वतंत्र काम का मौका न मिलना पूरी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। आपको बता दें आइएएस दिव्या मित्तल मूलरूप से हरियाणा के रेवाड़ी की निवासी हैं, लेकिन उनका जन्म दिल्ली में ही हुआ। उनकी पढ़ाई भी दिल्ली में ही हुई। 10वीं और 12वीं करने के बाद दिल्ली में ही बीटेक किया और फिर आइआइएम बेंगलुरु से एमबीए की। इसके बाद उनकी शादी हो गई। उनकी और पति गगनदीप सिंह की लंदन में बहुत अच्छे पैकेज पर नौकरी भी लग गई थी, लेकिन देश प्रेम इतना वह वहां ज्यादा दिन तक नहीं रह पाईं। पति-पत्नी ने इस्तीफा देकर लंदन से वापस लौटने का फैसला किया और हुआ भी यही। दिव्या मित्तल के पति गगनदीप सिंह ने भी यूपीएससी क्वालीफाई कर सिविल सर्विस हासिल की। उन्होंने 2011 बैच के भारतीय व्यापार सेवा अधिकारी के रूप में केंद्र सरकार में सेवाएं दी थीं। उन्होंने 4 साल पहले यानी साल 2022 में प्रशासनिक सेवा से स्वेच्छा से इस्तीफा दे दिया था।दोनों का एजुकेशनल और प्रोफेशनल बैकग्राउंड बेहद प्रभावशाली रहा है। कॉरपोरेट दुनिया से लेकर सिविल सर्विसेज की परीक्षा पास करने और फिर खुद अपनी मर्जी से सरकारी सेवा छोड़ने तक, दोनों का सफर काफी हद तक एक जैसा रहा है हालांकि दिव्या मित्तल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दार्शनिक अंदाज में अपनी भावनाएं प्रकट की। उन्होंने लिखा, आज मैंने 13 सालों की अविस्मरणीय यात्रा को अपनी इच्छा से विराम देते हुए आईएएस से त्यागपत्र दे दिया है। साधारण परिवेश में पलते हुए मैंने एक अच्छे, सफल जीवन का सपना देखा था। दिन-रात एक कर आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बैंगलोर से पढ़ने के बाद, लंदन में नौकरी लग गयी। लेकिन सब कुछ पा लेने पर भी कुछ अधूरा था। अपने देश में न होना खलता था। मेरी पढ़ाई, आत्मविश्वास, दुनिया में कहीं भी सिर उठाकर चलने की ताक़त, सब इस मिट्टी का कर्ज़ था मुझ पर। वो कर्ज़ चुकाना था। चाहती थी जिस भारत का सपना देखा था, उसे बनाने वाली ईंटों पर मेरे भी हाथों के निशान हों। मैं लौट आई और आईएएस अधिकारी बनने का सौभाग्य मिलाआईएएस ऑफिसर ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, 'बहुत कुछ करने का मौका मिला और बहुत सीखा। देवरिया ने सिखाया कि सही के साथ खड़ा होना विकल्प नहीं, कर्तव्य है। मिर्जापुर ने सिखाया कि असंभव कोई तथ्य नहीं, बस एक राय है। और मां विंध्यवासिनी के चरणों में बैठकर सीखा कि शक्ति किसी पद से नहीं, उनकी कृपा और लोगों के विश्वास से आती है। सबसे बड़ी सीख यह थी कि अपने लिए देखे सपने तो पूरे हो चुके थे, अब अपने लोगों के लिए देखे सपनों को जीना था।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

स्मृति मंधाना का तूफानी शतक, हांगकांग को 137 रन से रौंदकर भारत सेमीफाइनल में

एजेंसी, दुबई

स्मृति मंधाना की रिकॉर्डतोड़ शतकीय पारी और भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने महिला एशिया कप 2026 में हांगकांग को 137 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 193 रन बनाए। मंधाना ने महज 64 गेंदों पर 14 चौकों और सात छक्कों की मदद से 124 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनके अलावा शेफाली वर्मा ने 17 गेंदों पर 28 रन बनाए। प्रतिका रावल ने 10, ऋचा घोष ने 11 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 10 रन का योगदान दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी हांगकांग की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और

16.2 ओवर में सिर्फ 56 रन पर ऑलआउट हो गई। दीप्ति शर्मा ने तीन विकेट झटके, जबकि नंदिनी शर्मा, श्री चरणी और प्रेमा रावत को दो- दो सफलता मिली। स्मृति मंधाना की 124 रन की पारी सिर्फ मैच जिताऊ नहीं रही, बल्कि रिकॉर्डों से भी भरपूर रही। यह उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18वां शतक था, जिसके साथ उन्होंने मेग लैनिंग (17 शतक) को पीछे छोड़कर महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इसके अलावा मंधाना ने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ते हुए महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बनने का भी गौरव हासिल किया। आईसीसी के अनुसार, मंधाना के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल रन 10,880 हो गए हैं, जबकि मिताली राज के नाम 10,868 रन हैं।

न्यू साउथ वेल्स ने पीटर सिडल को बनाया गेंदबाजी कोच, जोहान बोथा स्पिन सलाहकार की भूमिका में

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पीटर सिडल आगामी 2026-27 सत्र में न्यू साउथ वेल्स के गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, जोहान बोथा टीम के साथ स्पिन सलाहकार के रूप में काम करेंगे। यह बदलाव ब्रैड हैडिन के मुख्य कोच के रूप में पहले सत्र से पहले हुआ है। 41 वर्षीय सिडल बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स की टीम का हिस्सा बने रहेंगे, लेकिन शेफील्ड शील्ड के सभी मुकाबलों में न्यू साउथ वेल्स के साथ काम करेंगे। वह हैडिन के कोचिंग स्टाफ में पीटर फॉरेस्ट और डेनियल स्मिथ के साथ जुड़ेंगे। सिडल ने अपने राज्य स्तरीय करियर

का अधिकांश हिस्सा विक्टोरिया के लिए खेला है। इसके अलावा उन्होंने तस्मानिया के लिए भी तीन सत्र बिताए हैं। सिडल ने न्यू साउथ वेल्स की ओर से जारी एक बयान में कहा, "इस सत्र में न्यू साउथ वेल्स ब्लूज से जुड़ना बेहद रोमांचक है। मैं प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के इस समूह का मार्गदर्शन करने के अवसर को लेकर बहुत उत्साहित हूं। आने वाली गर्मियों का सत्र बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है और मैं इसमें पूरी तरह जुटने का इंतजार नहीं कर सकता।" वहीं, इस साल की शुरुआत में क्वींसलैंड के कोच पद से इस्तीफा देने वाले जोहान बोथा फिलहाल अस्थायी आधार पर टीम के साथ काम करेंगे। मुख्य कोच ब्रैड हैडिन ने कहा, "पीटर और जोहान का ब्लूज के साथ जुड़ना दर्शाता है कि हम टीम के आसपास उच्च गुणवत्ता वाले लोगों को रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीटर अपने साथ काफी अनुभव और ज्ञान लेकर आए हैं और वह उस तरह के क्रिकेटर का उदाहरण भी हैं, जैसा हम अपनी टीम में देखना चाहते हैं।" उन्होंने कहा, "हमें भरोसा है कि हमने ब्लूज के लिए रोमांचक सत्र से पहले एक संतुलित और मजबूत कोचिंग टीम तैयार की है।" न्यू साउथ वेल्स के तेज गेंदबाजी विभाग में ऑस्ट्रेलिया के तीन प्रमुख तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड भी शामिल हैं, हालांकि अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं के कारण वे राज्य क्रिकेट में कम ही खेलते हैं।

चाइना मास्टर्सः किदांबी श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में हारे, ली चियुक यिउ ने सीधे गेमों में दी मात

एजेंसी, शेनझेन

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का चाइना मास्टर्स 2026 में सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। श्रीकांत को शुक्रवार को शेनझेन एरेना में हांगकांग के ली चियुक यिउ के खिलाफ 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने पहले गेम की शुरुआत लगातार दो अंक हासिल करके की, लेकिन ली चियुक यिउ ने जल्द ही वापसी करते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया। हांगकांग के खिलाड़ी ने अपनी बढ़त कायम रखी और भारतीय खिलाड़ी की देर से की गई वापसी की कोशिशों

के बावजूद पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी ली चियुक यिउ ने बेहतर नियंत्रण बनाए रखा और 21-16 से जीत दर्ज कर मुकाबला सीधे गेमों में अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ ली चियुक यिउ के खिलाफ श्रीकांत का खराब रिकॉर्ड और बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी को हांगकांग के इस शटलर के खिलाफ लगातार चौथी हार मिली है। दोनों के बीच अब तक हुई भिड़ंत में श्रीकांत की एकमात्र जीत 2018 इंडिया ओपन के पहले दौर में आई थी। श्रीकांत ने इससे पहले अंतिम-8 में पहुंचने के लिए पिछले दौर में विश्व नंबर-9 विक्टर लाई को सीधे गेमों में हराया था। उन्होंने टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में चीनी ताइपे के विश्व नंबर-21 ची यू-जेन को 35 मिनट में 21-16, 21-15 से मात दी थी। हालांकि क्वार्टर फाइनल में हार के साथ श्रीकांत का अभियान समाप्त हो गया, लेकिन चाइना मास्टर्स में उनका प्रदर्शन महत्वपूर्ण रहा।

थैलेसीमिया बीमारी को मात देने वाले मुरादाबाद के कुणाल अरोड़ा संतोष-अर्जुन अवार्ड से सम्मानित

एजेंसी, मुरादाबाद । थैलेसीमिया जैसी घातक बीमारी को मात देने वाले मुरादाबाद महानगर के पैरा टेबल टेनिस के युवा खिलाड़ी कुणाल अरोड़ा नई दिल्ली में गुरुवार को आयोजित एक कार्यक्रम में संतोष-अर्जुन अवार्ड से सम्मानित हुए है। महानगर मुरादाबाद के निवासी सीनियर टेबिल टेनिस खिलाड़ी व कुणाल अरोड़ा के पिता यशपाल अरोड़ा ने बताया कि उनके बेटे पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी कुणाल अरोड़ा थैलेसीमिया जैसी घातक बीमारी ग्रस्त रहे है। भारतीय टीम में चयन होने के बाद फ़िनलैंड के दौरे पर जाने से पहले 23 अगस्त को थैलेसीमिया इंडिया सोसाइटी के द्वारा ली मेरिडियन होटल नई दिल्ली में आयोजित थैलेसीमिया वॉरियर्स को दिया जाने वाला संतोष एवं अर्जुन अवार्ड कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंडिया टीवी के मालिक एवं विश्व प्रसिद्ध जर्नलिस्ट रजत शर्मा के द्वारा अपने जीवन का ऐतिहासिक पल को यादगार बनाते हुए ष्संतोष एवं अर्जुन अवार्डष् को प्राप्त किया कुणाल अरोड़ा की उपलब्धियों पर श्री रजत शर्मा जी ने प्रशंसा की और अपना आशीर्वाद भी दिया। कुणाल अरोड़ा इससे पूर्व फ़िल्मी एक्टर जैकी श्रॉफ से भी अवार्ड प्राप्त कर चुके हैं। कुणाल की इस शानदार उपलब्धि पर उनके पिता सीनियर टेबिल टेनिस खिलाड़ी यशपाल अरोड़ा एवं माता सोनिया अरोड़ा बहुत ज़्यादा ख़ुशी एवं गर्व महसूस करते हैं।

चाइना मास्टर्स: एन से यंग और अकाने यामागुची सेमीफाइनल में, खिताब की दौड़ हुई रोमांचक

एजेंसी, शेनझेन

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की एन से यंग ने शुक्रवार को हमवतन किम गा युन को सीधे गेमों में हराकर चाइना मास्टर्स 2026 के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, दुनिया की नंबर तीन जापान की अकाने यामागुची ने थाईलैंड की सुपानिदा कातेथोंग को मात देकर अंतिम चार में प्रवेश किया। एन से यंग को क्वार्टर फाइनल में किम गा युन से शुरुआती चुनौती मिली। पहले गेम में दोनों 6-6 से बराबरी पर थीं, लेकिन इसके बाद एन से यंग ने

लगातार छह अंक जीतकर मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया और पहला गेम 21-11 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में एन से यंग ने और अधिक आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लगातार बढ़त बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-10 से जीत लिया और सीधे गेमों में सेमीफाइनल का टिकट कटाया। एन से यंग ने 2024 और 2025 में चाइना मास्टर्स का खिताब जीता था। अब उनकी नजर लगातार तीसरी बार ट्रॉफी जीतने पर है। ऐसा करने पर वह चोन वी पेई के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगी, जिन्होंने 2018, 2019 और 2023 में महिला एकल खिताब जीते थे। इससे पहले अकाने यामागुची ने सुपानिदा कातेथोंग को 21-18, 21-16 से हराया। तीन बार की विश्व चैंपियन यामागुची ने मुकाबला 33 मिनट में अपने नाम किया। विश्व नंबर-30 कातेथोंग ने टूर्नामेंट की प्रबल दावेदारों में शामिल यामागुची को कड़ी चुनौती दी।

बिजनेस

सीतारमण ने न्यूयॉर्क में भारत के डिजिटल इंफ्रा स्ट्रक्चर, फाइनेंशियल सर्विस में निवेश पर दिया जोर

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका की यात्रा पर गईं केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने न्यूयॉर्क में ग्लोबल कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकों में भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, फाइनेंशियल सर्विस और गिफ्ट सिटी में निवेश के मौकों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था में विदेशी निवेश को बढ़ाना चाहती है। सीतारमण ने बीएनवाई मेलन के ग्रुप सीओओ एलेजांद्रो पेरेज से मुलाकात के दौरान वैश्विक वित्तीय संस्थानों के बड़े पैमाने पर निवेश और भारत के बढ़ते वित्तीय इकोसिस्टम, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) और गिफ्ट सिटी-आईएफएससी से पैदा होने वाले अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने निवेशकों का भरोसा बढ़ाने वाले कारकों के तौर पर वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही में भारत की वास्तविक 7.8 फीसदी की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)

ग्रोथ, मजबूत घरेलू मांग, गहरे होते फाइनेंशियल मार्केट और सुधार-उन्मुख पॉलिसी माहौल का ज़िक्र किया। इस मुलाकात के बीच पेरेज ने भारत के प्रति बीएनवाई मेलन की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया और कहा कि देश न केवल एक डिलीवरी सेंटर के तौर पर, बल्कि इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एआई जैसी एडवांस्ड क्षमताओं के लिए एक रणनीतिक ग्लोबल हब के तौर पर भी तेजी से उभर रहा है। भारत के बढ़ते वित्तीय इकोसिस्टम पर हुई इस बातचीत को आगे बढ़ाते हुए सीतारमण ने बीएनवाई मेलन को गिफ्ट-आईएफएससी का दौरा करने और वहां उपलब्ध प्रोडक्ट्स और सर्विसेज के बारे में जानने के लिए आमंत्रित किया। इसके अलावा वित्त मंत्री ने टिलमैन होल्डिंग्स के चेयरमैन और सीईओ संजीव आहूजा से भी मुलाकात की। इस दौरान बड़े पैमाने पर मज़बूत और टिकाऊ डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कैंपस विकसित करने के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि भारत का पॉलिसी फ्रेमवर्क, जिसमें हाल की बजट घोषणाएं भी शामिल हैं, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश को बढ़ावा दे रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, डिजिटल सेवाओं और एंटरप्राइज़ टेक्नोलॉजी में तेज़ी से हो रही बढ़ोतरी से डेटा सेंटर्स, हाई-कैपेसिटी नेटवर्क और भरोसेमंद बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर की लगातार मांग बढ़ रही है।

आहूजा के साथ हुई बैठक में सीतारमण ने बताया कि टिलमैन होल्डिंग्स जैसी कंपनियां भी भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के अगले चरण में हिस्सा लेने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। एक और बैठक में सीतारमण ने मार्श री के प्रेसिडेंट और सीईओ डीन क्लिसुरा और अन्य सीनियर अधिकारियों के साथ निवेश और विस्तार के मौकों पर चर्चा की।

एडोब ने अनिल चक्रवर्ती को सीईओ किया नियुक्त

एजेंसी, नई दिल्ली/ वाशिंगटन । अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी एडोब ने अनिल चक्रवर्ती को अपना नया अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वे शांतनु नारायण की जगह लेंगे। चक्रवर्ती 1 दिसंबर से अपना पदभार संभालेंगे। कंपनी की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि एडोब ने अनिल चक्रवर्ती को नया अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। चक्रवर्ती 01 दिसंबर से पद संभालेंगे, जो 18 साल से अधिक समय तक कंपनी का नेतृत्व करने वाले शांतनु नारायण की जगह लेंगे। वहीं, शांतनु नारायण कंपनी में कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र अनिल चक्रवर्ती फिलहाल एडोब के ग्राहक अनुभव प्रबंधन कारोबार और वैश्विक बिक्री परिचालन के अध्यक्ष हैं। नारायण ने कहा, ''मुझे पूरा भरोसा है कि एआई आधारित दौर में एडोब की वृद्धि का नेतृत्व करने के लिए अनिल चक्रवर्ती सही व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि मैं कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अपनी नई भूमिका में उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं।''

स्टॉक मार्केट में सीएसएमएल की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

इंटरटेनमेंट और एम्यूजमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की कंपनी कंप्लीट स्पोर्ट्स एंड मैनेजमेंट इंडिया लिमिटेड (सीएसएमएल) के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई खरीदारी से कंपनी के शेयर की स्थिति में सुधार हुआ, जिससे कंपनी के आईपीओ निवेशक को ठीक-ठाक मुनाफा हो गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.96 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 139 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर फिसल कर 136.10 रुपये के स्तर पर पहुंचे लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया।

लिवाली के सपोर्ट के कारण इस शेयर की चाल में तेजी आ गई। दोपहर एक बजे के थोड़ी देर बाद ये शेयर उछल कर 145.95 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच

गए और उसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 10.95 रुपये यानी 8.11 प्रतिशत के फायदे में रहे। इस कंपनी का 74.93 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 अगस्त से 01 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.45 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 7.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.66 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.57 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 55.50 लाख शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी महाराष्ट्र के भिवंडी में मौजूद वेयर हाउस के लिए गेमिंग इक्विपमेंट्स, कंप्यूटर, प्रिंटर, सॉफ्टवेयर, सीसीटीवी, सिक्योरिटी इक्विपमेंट्स की खरीदारी और उनका इंस्टॉलेशन करने, पुराने का कर्ज को बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। सीएसएमएल की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 11.41 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 18.18 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

जन्माष्टमी के दिन चमका सोना, चांदी ने भी लगाई मजबूत छलांग

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में पिछले कुछ दिन से जारी गिरावट के सिलसिले पर आज जन्माष्टमी के दिन ब्रेक लग गया है। आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी में दोनों चमकीली धातुओं में जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर हिस्सों में सोना आज 3,070 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,350 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी भी आज ज्यादातर सर्राफा बाजार में 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया है।

भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,360 रुपये

प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार में 2,50,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

टाटा रियल्टी ने गौरव जैन को एमडी और सीईओ नियुक्त किया

एजेंसी, नई दिल्ली । टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (टीआरआईएल) ने गौरव जैन को अपना नया प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। जैन की नियुक्ति 01 अक्टूबर, 2026 से प्रभावी होगी। टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि कंपनी ने 01 अक्टूबर से गौरव जैन को अपना नया प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। जैन के पास आवासीय और व्यावसायिक रियल एस्टेट सेक्टर में 23 साल से ज्यादा का अनुभव है। कंपनी ने कहा कि उन्हें बिजनेस ग्रोथ, संस्था बनाने, स्ट्रैटेजिक प्लानिंग, ऑपरेशनल एक्सीलेंस, सेल्स और मार्केटिंग, और लाभ और हानि मैनेजमेंट में महारत हासिल है। कंपनी ने कहा कि जैन, संजय दत्त की जगह लेंगे, जिन्होंने हाल ही में नए मौकों की तलाश में टीआरआईएल के एमडी और सीईओ के पद से इस्तीफा दिया था। उल्लेखनीय है कि टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टीआरआईएल देश की प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक है। रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर कंपनी विकास के अगले चरण की तैयारी कर रही है।

दुर्घटना जांच ब्यूरो ने एयर इंडिया की फुकेट-दिल्ली उड़ान से जुड़ी घटना पर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की

एजेंसी, नई दिल्ली

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने 4 अगस्त को हुई एयर इंडिया की फुकेट-दिल्ली उड़ान से जुड़ी घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट के पायलट की जांच में साइकोएक्टिव पदार्थ की पुष्टि हुई है। एएआईबी ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि एयर इंडिया की फुकेट-दिल्ली उड़ान से जुड़ी घटना के मामले में विमान के मुख्य पायलट की मनःप्रभावी पदार्थ संबंधी जांच रिपोर्ट ''निगेटिव नहीं'' आई है। जांच एजेंसी ने कहा कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से इस मामले में कार्रवाई करने को कहा गया है।

एएआईबी की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार चार अगस्त को एयर इंडिया की फुकेत-दिल्ली फ्लाइट अचानक 300 फ़ीट नीचे आ गई थी। इस घटना के बाद हुए पुष्टि करने वाला ड्रग टेस्ट में पायलट के जांच रिपोर्ट का नतीजा साइकोएक्टिव पदार्थ के लिए 'गैर-नकारात्मक' आया है। एएआईबी ने बताया कि डीजीसीए से उचित कार्रवाई करने की सिफारिश की गई है, जबकि मामले की विस्तृत जांच अभी चल रही है। अंतिम रिपोर्ट बाद में जारी की जाएगी। एएआईबी ने कहा कि तकनीकी और अन्य पहलुओं की विस्तृत जांच जारी है। जांच एजेंसी ने कहा कि एयर इंडिया की फुकेट-दिल्ली उड़ान के मुख्य पायलट के मादक पदार्थ के सेवन की पुष्टि होना गंभीर चिंता का विषय है। उल्लेखनीय है कि इस घटना में 20 यात्री और 4 क्रू मेंबर घायल हो गए थे। एयर इंडिया ने शुरू में ऊंचाई कम होने की वजह टर्बुलेंस (हवा के झोंके) को बताया था, लेकिन विमान बनाने वाली कंपनी की रिपोर्ट से पता चला कि विमान के ग्रीन, ब्लू और येलो सिस्टम में हाइड्रोलिक प्रेशर की दिक्कतों की वजह से लगभग चार सेकंड के लिए एलिवेटर और एलिरॉन कंट्रोल काम नहीं कर रहे थे।

फिल्म द वन का टीजर रिलीज
रहस्यमयी शक्तियों से सामना करते दिखे सिद्धार्थ मल्होत्रा

भारतीय सिनेमा में इन दिनों लोक-कथाओं, पौराणिक मान्यताओं और आधुनिक वीएफएक्स तकनीक के संगम को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। 'कांतारा' और 'स्त्री 2' जैसी फिल्मों की ऐतिहासिक सफलता के बाद अब दर्शकों को एक और बड़ी और रहस्यमयी लोक-थ्रिलर फिल्म का अनुभव मिलने जा रहा है। अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द वन' (The One) का आधिकारिक टीजर आज जारी कर दिया गया है। टीजर के रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फैंस का उत्साह चरम पर पहुंच गया है और फिल्म को लेकर जबरदस्त बज बन गया है। फिल्म का टीजर शुरुआत से ही दर्शकों को एक अंधेरी और रहस्यमयी दुनिया में खींच लेता है। दृश्य की शुरुआत एक घने, भयावह जंगल से होती है, जहां प्राचीन काली शक्तियों का वास दिखाया गया है। इस जंगल के आसपास कई ऐसे रहस्यमयी प्रतीक और अलौकिक घटनाएं घटती हैं, जिससे साफ जाहिर होता है कि वहां आम इंसानों का जाना पूरी तरह से वर्जित है। इसी खौफनाक पृष्ठभूमि के बीच होती है मुख्य अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा की धमाकेदार एंट्री। टीजर में सिद्धार्थ एक बेहद अलग और शक्तिशाली अवतार में नजर आ रहे हैं। उनके पास कुछ खास दैवीय या अलौकिक शक्तियां दिखाई गई हैं, जिनकी मदद से वे उस प्रतिबंधित और खतरनाक जंगल में प्रवेश करने का साहस करते हैं। टीजर का सबसे आकर्षक पहलू इसमें दिखाया गया पौराणिक और धार्मिक एंगल है। पूरे दृश्य के दौरान 'माता' (देवी शक्ति) का एक अलौकिक और भव्य स्वरूप बार-बार नजर आता है, जो कहानी के केंद्र में है। ऐसा प्रतीत होता है कि जंगल में मौजूद काली शक्तियों का विनाश करने और संतुलन बनाए रखने में देवी का मुख्य योगदान है। सिद्धार्थ मल्होत्रा टीजर के सबसे अहम मोड़ पर एक बेहद दमदार और रोंगटे खड़े कर देने वाला डायलॉग बोलते हैं— "हमें चिंता नहीं उनकी, उन्हें चिंता हमारी है। हमारी रक्षक है वो जिनकी शेर सवारी है।" यह संवाद न केवल फिल्म के मुख्य विषय को स्थापित करता है, बल्कि दर्शकों में भक्ति और रोमांच का अद्भुत मिश्रण जगाता है। फिल्म की स्टार कास्ट बेहद मजबूत और विविधता से भरी हुई है। सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अभिनेत्री तमन्ना भाटिया फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। टीजर में तमन्ना की एक बेहद प्रभावशाली झलक देखने को मिलती है। इसके अलावा फिल्म में सुनील ग्रोवर अपनी कॉमिक इमेज से अलग एक गंभीर भूमिका में नजर आ रहे हैं, जबकि मनीष पॉल के लुक ने भी फैंस को हैरान किया है। अनूप सोनी अपने संजीदा अभिनय के साथ इस लोक-कथा को और मजबूती देते दिख रहे हैं और श्वेता तिवारी की मौजूदगी फैंस के लिए एक बड़ा सरप्राइज है। तकनीकी मोर्चे पर, फिल्म का विजुअल इफेक्ट्स (VFX) और बैकग्राउंड स्कोर बेहद उच्च स्तर का प्रतीत होता है। हालांकि, निर्माताओं ने समझदारी दिखाते हुए टीजर में कहानी के मुख्य सस्पेंस को छिपाकर रखा है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। 'द वन' का निर्देशन दीपक कुमार मिश्रा ने किया है, जो इससे पहले 'पंचायत' जैसी सुपरहिट सीरीज का निर्देशन कर चुके हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले शोभा कपूर और एकता कपूर द्वारा किया गया है। यह फिल्म 25 सितंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में भव्य रूप से रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया को मिली दूसरी फिल्म, अभिनेता रोशन मैथ्यू संग जमेगी जोड़ी

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया ने निर्देशक श्रीराम राघवन की फिल्म इक्कीस से डेब्यू किया था। साल के पहले ही दिन रिलीज हुई इस बायोपिक ड्रामा में उनके साथ अगस्त्य नंदा मुख्य किरदार में शामिल थे। अब खबर है कि सिमर को अपने करियर की दूसरी फिल्म मिल गई है, जो एक रोमांटिक कॉमेडी होगी। इसका निर्माण आयुष माहेश्वरी अपने बीएलएम पिक्चर्स बैनर के तहत करेंगे, जिसने पहले धक-धक और यारियां 2 जैसी फिल्मों का सह-निर्माण किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बिना नाम वाली इस रोमांटिक कॉमेडी में सिमर के साथ, मलयालम सिनेमा के अभिनेता रोशन मैथ्यू मुख्य किरदार में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान अधिराज बोस संभालेंगे, जिन्होंने एक थी डायन और तलवार जैसी फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक अपना योगदान दिया है। वह इस परियोजना से फीचर फिल्म निर्देशन में डेब्यू करेंगे। परियोजना की शूटिंग इसी साल नवंबर में शुरू होगी। निर्माताओं का लक्ष्य इसे 2027 के मध्य में सिनेमाघरों में रिलीज करना है। रिपोर्ट के अनुसार, सिमर और मैथ्यू की यह फिल्म एक दिल छू लेने वाली, चरित्र-प्रधान रोमांटिक ड्रामा बताई जा रही है, जिसमें भावनात्मक पहलुओं को कॉमेडी में पिरोकर बड़ी ही खूबसूरती के साथ पेश किया गया है। निर्माता दोनों कलाकारों को एक नई रोमांटिक जोड़ी के रूप में पर्दे पर उतारना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि फिल्म मजेदार होने के साथ-साथ एक मनोरंजक प्रेम कहानी भी हो। अब देखना होगा कि फिल्म का आधिकारिक ऐलान कब तक होता है।

किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करेंः अजय देवगन

क्राइम पेट्रोल के नए सीजन क्राइम पेट्रोल-क्राइम का करंट सीजन को बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन होस्ट करते दिखेंगे। छोटे परदे के इस शो से जुड़ने को लेकर अभिनेता का कहना है कि ऐसी कहानियां मनोरंजन के साथ-साथ लोगों को अपने आसपास की दुनिया को समझने और सावधान रहने का मौका भी देती हैं। अभिनेता ने शो के साथ अपने जुड़ाव पर बात करते हुए कहा, मुझे सबसे ज्यादा इसकी वास्तविक कहानियां आकर्षित करती हैं। शो में दिखाई जाने वाली घटनाएं अपराध के मामलों से प्रेरित होती हैं और इनमें से कुछ मामले बेहद चौंकाने वाले होते हैं। कई बार ऐसी घटनाओं में ऐसे लोग शामिल होते हैं, जिनके बारे में आम इंसान कभी सोच भी नहीं सकता। यही चीज मुझे इस शो को लेकर सबसे ज्यादा एक्साइटेड करती है। उन्होंने आगे कहा, शो सिर्फ अपराध की कहानी दिखाने तक सीमित नहीं है। इसमें यह भी बताया जाता है कि किसी मामले को सुलझाने के लिए पुलिस और जांच से जुड़े अधिकारियों को कितनी मेहनत करनी पड़ती है। किसी केस को हल करने के पीछे की कोशिश और लगातार की जाने वाली मेहनत भी दर्शकों को देखने को मिलती है। मैं इस शो को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं मानता, बल्कि इसे लोगों को जागरूक करने वाला कार्यक्रम भी मानता हूं। अभिनेता ने आगे कहा, क्राइम पेट्रोल की कहानियां दर्शकों को अपने आसपास की परिस्थितियों को लेकर ज्यादा सावधान रहने का संदेश देती हैं। शो देखने के बाद लोगों को यह समझने में मदद मिलती है कि किसी अनजान या यहां तक कि जान-पहचान वाले व्यक्ति पर भी बिना सोचे-समझे भरोसा करना हमेशा सही नहीं होता। यह जागरूकता हर उम्र के लोगों के लिए जरूरी है, चाहे वे युवा हों, परिवार हों या बुजुर्ग।

संदीप रेड्डी वांगा और मेरा रिश्ता बेहद खास : विजय देवरकोंडा

साउथ की फिल्मों के सुपर स्टार विजय देवरकोंडा और संदीप रेड्डी वांगा ने एक फिल्म पर अपना भविष्य तक दांव पर लगा दिया था। ऐसे कठिन समय में दोनों के बीच जो भरोसे का रिश्ता बना, वह आज भी कायम है। जब भी विजय से संदीप के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उनके मन में संदीप के लिए बेशुमार प्यार है और वह उसे शब्दों में नहीं बता सकते। विजय देवरकोंडा निर्देशक वेणु गोपाल रेड्डी की रोमांटिक फिल्म रोमनचकम के प्री-रिलीज इवेंट में पहुंचे थे। इस फिल्म को संदीप रेड्डी वांगा प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी दौरान विजय ने संदीप के साथ अपने रिश्ते और फिल्म अर्जुन रेड्डी के दिनों को याद किया। विजय ने कहा, संदीप के लिए मेरे मन में जो प्यार है, उसे मैं शब्दों में नहीं बता सकता। यह सिर्फ निर्देशक और अभिनेता का रिश्ता नहीं है। यह सिर्फ भाई का रिश्ता या दोस्ती भी नहीं है। यह कुछ और है। मेरा संदीप के साथ रिश्ता करियर के शुरुआती संघर्षों से जुड़ा हुआ है। विजय ने अर्जुन रेड्डी के बनने के समय को याद करते हुए बताया कि उस वक्त दोनों के पास ज्यादा पैसा या किसी तरह का प्रभाव नहीं था। फिल्म बनाना उनके लिए किसी बड़ी लड़ाई से कम नहीं था। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें खुद नहीं पता था कि वे क्या कर रहे हैं। अगर फिल्म नहीं चलती तो दोनों के लिए हालात बहुत मुश्किल हो सकते थे। विजय ने कहा, उस वक्त हम दोनों साथ में जंग लड़ रहे थे। हमें नहीं पता था कि हम क्या कर रहे हैं। अगर फिल्म नहीं चलती तो हमारे लिए हालात बहुत मुश्किल हो सकते थे। हम दोनों के पास पैसे नहीं थे। हमारी कोई पहचान नहीं थी। हमारे कोई फैंस नहीं थे, क्योंकि तब तक फिल्म पेलीचूपुलु रिलीज नहीं हुई थी। अभिनेता ने कहा, मुझे संदीप को सिर्फ इसलिए याद नहीं करता कि अर्जुन रेड्डी सफल रही या बाद में वह फिल्म इतनी बड़ी बन गई। मेरे लिए इस फिल्म से जुड़े असली मायने हमारे साथ बिताए हुए पल हैं। फिल्म बनाते समय हमने न सिर्फ काम किया, बल्कि अपनी जिंदगी, तनाव और मुश्किलें भी एक-दूसरे के साथ साझा कीं। विजय ने कहा, फिल्म बनाने के लिए प्रणय और प्रभाकर ने अपनी जमीन तक गिरवी रख दी थी। उन्होंने संदीप पर भरोसा करके फिल्म के लिए पैसा लगाया था और संदीप ने भी मुझ पर पूरा विश्वास रखा। इतना ही नहीं, उन्होंने उन लोगों को भी मेरी काबिलियत पर भरोसा करने के लिए तैयार किया। अभिनेता ने कहा, उस फिल्म के साथ बहुत कुछ दांव पर लगा हुआ था। एक फिल्म के लिए परिवार की कमाई, भविष्य और बहुत सारी उम्मीदें लगा दी गई थीं।

आलिया भट्ट की फिल्म डोंट बी शाय की रिलीज तारीख का ऐलान, 25 सितंबर को होगा प्रीमियर

अभिनेत्री आलिया भट्ट और उनकी बहन शाहीन भट्ट के निर्माण संस्थान 'एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म 'डोंट बी शाय की रिलीज तारीख तय हो गई है। श्रीति मुखर्जी द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म युवा दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई गई रोमांटिक हास्य-प्रधान फिल्म है। फिल्म में कई नए कलाकार नजर आएंगे। फिल्म में आरुषि बजाज, अंश दुग्गल, बियांका अरोड़ा और पीयूष खाती प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा कुणाल रॉय कपूर, अनुराग बसु, नेहा धूपिया और अंजू अल्वा नाइक भी महत्वपूर्ण किरदार निभाते दिखाई देंगे। 'डोंट बी शाय युवावस्था में कदम रखने की प्रक्रिया पर आधारित रोमांटिक हास्य-प्रधान नाटक है। इसकी कहानी दोस्ती, युवा प्रेम, दिल टूटने और जिंदगी को समझने की कोशिश के इर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म में युवाओं के जीवन में आने वाले भावनात्मक उतार-चढ़ाव और रिश्तों की जटिलताओं को एक महिला के दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है। कहानी में दोस्ती और प्रेम के साथ युवावस्था में सामने आने वाली चुनौतियों तथा आत्म-पहचान की प्रक्रिया को भी प्रमुखता दी गई है। फिल्म का पहला पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने लिखा, प्यार, गहरी दोस्ती और इन सबके बीच का सारा नाटक। पोस्टर जारी होने के साथ ही फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। 'डोंट बी शाय को सिनेमाघरों में रिलीज नहीं किया जाएगा। फिल्म का पहला प्रसारण डिजिटल मंच अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। यह फिल्म 25 सितंबर 2026 से मंच के सदस्य दर्शकों के लिए उपलब्ध होगी। आलिया और शाहीन भट्ट के निर्माण संस्थान की यह फिल्म युवा जीवन और रिश्तों को एक नए नजरिये से पेश करने का प्रयास करती है। नए कलाकारों के साथ अनुभवी कलाकारों की मौजूदगी फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा रही है।

भुवन बाम और रोहित सराफ की 'द रिवोल्यूशनरीज का ट्रेलर जारी

भुवन बाम और रोहित सराफ अभिनीत ऐतिहासिक धारावाहिक 'द रिवोल्यूशनरीज का आधिकारिक ट्रेलर जारी कर दिया गया है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि पर आधारित इस ऐतिहासिक नाटक में प्रतिभा रांटा और गुरफतेह पीरजादा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। ट्रेलर जारी होते ही धारावाहिक को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा शुरू हो गई है। निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी इस धारावाहिक का निर्माण एम्मे एंटरटेनमेंट ने किया है। इसकी कहानी प्रसिद्ध लेखक संजीव सान्याल की पुस्तक 'क्रांतिकारीः भारत की स्वतंत्रता की दूसरी कहानी पर आधारित है। ट्रेलर में स्वतंत्रता संग्राम के चार क्रांतिकारी किरदारों को केंद्र में रखा गया है। भुवन बाम ने रास बिहारी बोस, रोहित सराफ ने सचिंद्र नाथ सान्याल, प्रतिभा रांटा ने प्रतिभा लाहिड़ी और गुरफतेह पीरजादा ने बाघा जतिन की भूमिका निभाई है। कहानी में चारों क्रांतिकारियों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ एकजुट होकर विद्रोह की योजना बनाते और संघर्ष करते दिखाया गया है। ट्रेलर में उनके साहस, देशभक्ति और स्वतंत्रता हासिल करने के लिए किए गए प्रयासों की झलक देखने को मिलती है। धारावाहिक में अभिनेता जेसन शाह ने ब्रिटिश अधिकारी जनरल डायर की भूमिका निभाई है। ट्रेलर में उनका किरदार चारों क्रांतिकारियों का पीछा करता और उनके विद्रोह को दबाने का प्रयास करता नजर आता है। इससे कहानी में संघर्ष और रोमांच का पक्ष भी उभरकर सामने आता है। 'द रिवोल्यूशनरीज का पहला प्रसारण 11 सितंबर 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। धारावाहिक को हिंदी और अंग्रेजी सहित कई भाषाओं में दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में दर्शकों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। स्वतंत्रता संग्राम के उन पहलुओं और क्रांतिकारियों की कहानी को केंद्र में रखने के कारण यह धारावाहिक ऐतिहासिक घटनाओं को नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने का प्रयास करता है। भुवन बाम और रोहित सराफ जैसे लोकप्रिय कलाकारों की मौजूदगी से भी धारावाहिक को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ी है।

चीन में बड़े लैंडस्लाइड की वजह से चार घंटे रहे बस के अंदरः मानसी पारेख

अपनी कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी करके अभिनेत्री मानसी पारेख ने मुंबई वापस लौट आईं हैं। सोशल मीडिया के जरिए अपने वापसी का अनुभव शेयर करते हुए मानसी पारेख ने बताया कि चीन से नेपाल बॉर्डर तक पहुंचना जंग जीतने जैसा था। अपनें इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अभिनेत्री ने कुछ नोट शेयर किए। इसमें उन्होंने बताया कि चीन के न्यालम शहर में बड़े लैंडस्लाइड की वजह से उनके ग्रुप को बस के अंदर ही करीब चार घंटे तक इंतजार करना पड़ा, उसके बाद उन्होंने करीब 40 मील का सफर बस से तय किया। मानसी ने यह भी कहा कि सफर कितना भी मुश्किल क्यों न रहा हो, लेकिन मुंबई अपने परिवार और बेटी के पास वापस लौटने के सामने ये सारी परेशानियां कुछ भी नहीं थीं। उन्होंने लिखा, आप सभी के ढेरों प्यार, मैसेज, कॉल और दुआओं के लिए शुक्रिया। पिछले 3-4 दिन बहुत मुश्किल भरे रहे और चीन से निकलकर नेपाल बॉर्डर तक पहुंचना किसी जंग जीतने जैसा था। चीन के न्यालम शहर में बहुत बड़ा लैंडस्लाइड हुआ था, जिसकी वजह से हमें बस में ही 4 घंटे तक इंतजार करना पड़ा था, तब जाकर हम सड़क के रास्ते चीन से बाहर निकलने का सफर शुरू कर पाए थे। उन्होंने आगे लिखा, करीब 40 मील के लंबे बस के सफर के बाद हम नेपाल बॉर्डर पहुंचे, जहां एक और लैंडस्लाइड हुआ था। दूसरी तरफ खड़ी बसों तक पहुंचने के लिए हमें पैदल ही उस लैंडस्लाइड वाले रास्ते से गुजरना पड़ा, क्योंकि और कोई रास्ता नहीं था। अभिनेत्री मानसी पारेख ने अपना अपडेट शेयर करते हुए लिखा, फिर हमारी जिंदगी का सबसे उबड़-खाबड़ बस का सफर शुरू हुआ, जब हम काठमांडू के लिए निकले जो 4 घंटे दूर था, लेकिन ये सब परेशानी सार्थक थी क्योंकि इसका मतलब था मुंबई वापस आना, अपने परिवार और बेटी के पास आने और उन्हें गले लगाना। दरअसल, मानसी पारेख की वापसी उस घटना के कुछ ही दिन बाद हुई है, जब उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया था कि बाढ़ आने से सिर्फ पांच दिन पहले ही वह तिब्बत में उसी जगह पर थीं।

Fighter pilot who ejected inside Pak in 2019 quits IAF, set to join private airline

New Delhi, Agency: Indian Air Force (IAF) fighter pilot Group Captain Abhinandan Varthaman, who was shot down in an air duel with a Pakistan Air Force jet in February 2019, has taken premature retirement from IAF and is joining a private airline as a commercial pilot.

Sources confirmed to The Tribune that Group Captain Varthaman, who was promoted to his present rank less than five years ago, in December 2021, has taken premature retirement. He served as an IAF pilot for almost 22 years and has opted for a career outside the force. Sources said this is a natural progression for many IAF pilots, as flying duties tend to decrease at senior ranks while administrative responsibilities increase.

Group Captain Varthaman was piloting a MiG-21 jet on February 27, 2019, when a high-stakes air duel ensued with a US-origin F-16 jet over Nowshera along the Line of Control (LoC). After his aircraft was hit, Varthaman ejected and parachuted into Pakistan-occupied Kashmir. He was released from captivity on March 1. Later, the government awarded him the Vir Chakra, the third-highest wartime gallantry award in India.

Upon landing, Varthaman sustained injuries while attempting to destroy classified documents and evade hostile locals. He was subsequently captured by the Pakistan Army. Videos released during his captivity showed his composure, dignity and adherence to the Geneva Convention protocols concerning the disclosure of information under duress, earning him widespread admiration across India. The air duel between IAF and PAF took place a day after IAF launched strikes on Balakot in Khyber Pakhtunkhwa, Pakistan, targeting terrorist camps. Days earlier, terrorists had carried out an attack in Pulwama, Jammu and Kashmir.

Group Captain Varthaman's citation for the Vir Chakra states that he was on operational-readiness duty at Air Force Station Srinagar. A large force of Pakistan Air Force fighter aircraft, consisting of advanced fourth-generation F-16 and JF-17 aircraft, was detected heading towards the LoC. The enemy aircraft were armed with beyond-visual-range (BVR) air-to-air missiles and advanced, high-calibre air-to-ground stand-off weapons. At about 10 am, Varthaman was scrambled to intercept the formation. "Despite the enemy's immense numerical and technological superiority, he proceeded to courageously engage the enemy aircraft with utter disregard for his personal safety," the citation said. "He then pursued a retreating enemy fighter-bomber aircraft and, in the ensuing aerial combat, shot down an F-16 with his on-board missile. However, in the melee, one of the enemy aircraft fired multiple advanced BVR missiles, one of which hit his aircraft, forcing him to eject in enemy territory," the citation said.

BRIFF NEWS

CBI probe necessary into Disha Salian's death: HC

Mumbai, Agency: Observing that the June 8, 2020, death of celebrity manager Disha Salian had "many glaring discrepancies" which necessitated proper and substantive investigation, Bombay HC directed CBI to file an FIR and probe the case thoroughly. No one is to be named as an accused without sufficient grounds, HC clarified.

"Suspicious circumstances" surrounding the death necessitate the registration of an FIR, HC bench of Justices Sarang Kotwal and RR Bhonsale held. But HC said it has "not made any observations against any particular individual". "The police probe raises more questions than it answers.

Farakka Treaty renewal will have Bihar in mind: EAM

New Delhi, Agency: With India looking at different issues before taking a call on renewing its treaty with Bangladesh over sharing of Ganga river waters at Farakka Barrage, Centre has assured Bihar that any decision will be made keeping in mind the state's water requirements for drinking and industrial use.

The assurance came from Union external affairs minister S Jaishankar in response to concerns first raised by former chief minister Nitish Kumar during his tenure and recently by his JDU colleague and party national working president Sanjay Jha.

RS MP Jha had raised the issue in the Upper House on Aug 6, seeking protection of Bihar's water interests in any renewal of the 30-year-old treaty, signed in 1996 and set to expire in Dec.

Govt social research body invites papers on demographic shift, conversions

New Delhi, Agency: The Indian Council of Social Science Research (ICSSR), the Centre's apex social sciences research funding body, has invited original research papers for a special issue examining India's changing demographic profile. Eighteen themes listed for the elicited papers include cross-border migration, religious conversions and national security.

The move comes at a significant juncture, with the Centre in May constituting a high-level committee to study demographic changes arising from illegal immigration and other "abnormal" factors and suggesting measures to address them.

Union Home Minister Amit Shah, announcing the committee on May 26, had termed illegal infiltration resulting in "unnatural demographic change" a major challenge for the future of any nation.

Gadkari urges all state govts to allow bike taxis; announces plan for negative points for traffic rule violations

New Delhi, Agency: Road transport minister Nitin Gadkari Wednesday urged all state govts to allow bike taxis, saying it could give employment to eight crore people.

During the launch of a pilot programme - "Suraksha" - for on-the-spot free medical diagnosis and counselling for 10 lakh drivers, construction and high-risk workers involved in building highways and mines, he also said his ministry will amend Motor Vehicles Act to introduce a negative point system for drivers for traffic violations, which will result in suspension and cancellation of driving licence.

The initiative will be implemented on 150-km covering Nagpur-Kamptee areas of NH-44 and mining belt in Chandrapur in Maharashtra, with a target of 10,000 people. Speaking about the programme, Gadkari sought better medical tests and healthcare for drivers and construction workers, saying that "health of our drivers is key for road safety and there is a dire need to focus on their eyecare and other health issues they face due to the nature of their work."

On the need to allow private two-wheelers, such as scooters and motorcycles, owners to allow transporting passengers, he said this will create employment opportunities in rural areas. "We have allowed this. But some states are not allowing this. Transport is a state subject. I will urge them to do so as this will give a source of livelihood to many," Gadkari said.

'A case of no probe', says Supreme Court, junks 25-yr-old murder case

New Delhi, Agency: Bihar police had proved its case before the trial court and Patna high court against six persons accused of firing indiscriminately to kill a man in broad daylight in 2001, but its evidence was trashed by the Supreme Court, which took more than a decade to acquit the accused by concluding that it was a case of "no investigation" having taken place.

The snail-paced legal system saw one of the accused serving a life term awarded by the trial court and upheld by HC in 2015. The other five convicts had appealed against the HC decision. Acquitting them, a bench of Justices J B Pardiwala and K Vinod Chandran said, "There is complete lack of evidence in the present case, and testimonies (of eyewitnesses) do not inspire confidence." SC's remark that "the case is not of a faulty investigation but of no investigation having been carried out" indicates possible lack of judiciousness on the part of trial court or HC to separate grain from the chaff while appreciating evidence in the case. Otherwise, it is incomprehensible as to how the complete lack of evidence in the case, as pointed out by SC, had escaped the scrutiny of two judicial tiers. Justices Pardiwala and Chandran said it was aware that faulty investigation cannot be taken advantage of by the accused but added, "When there is no reliable evidence, merely because the IO was recalcitrant or a complaint of collusion was raised against him, the court cannot presume the guilt of the accused."SC said, "We are unable to find the prosecution having established the culpability of the accused beyond reasonable doubt. As we noticed, the eye-witness testimony does not inspire confidence, and there are no recoveries made or seizures effected as would have been done in a proper investigation." SC said the murder motive projected by the prosecution was sticky, an expert medical opinion went against the witness testimony on how the incident occurred, and there was no recovery of weapons or cartridges from the scene of crime in the case that saw witnesses claiming indiscriminate firing by the accused.

2 Kuki-Zo MLAs set foot in Imphal for 1st time in 3 years

Guwahati, Agency: Two Kuki-Zo MLAs travelled to Imphal Wednesday in defiance of a community whip and attended the Manipur assembly session in person for the first time since violence erupted in 2023, creating a hill-valley divide that is still to be bridged.

Saikul legislator Kimneo Haokip Hangshing of Kuki Peoples' Alliance (KPA) and Independent MLA Haokholet Kipgen of Saitu, both in Kangpokpi district, chose to be in the assembly for the first day of the session despite Kuki Inpi Manipur's explicit instruction to stay away from Meitei-majority Imphal. Deputy CM

Nemcha Kipgen and her BJP colleague, Henglep MLA Letzamang Haokip, attended the session over videoconferencing. Other four Kuki-Zo MLAs from BJP abstained. Manipur has nine Kuki-Zo MLAs, including two from KPA. Six of them had attended the budget session last Feb virtually. CM Y Khemchand Singh's office issued a statement lauding the two Kuki MLAs for making what it termed a "historic physical return" to the assembly. "Their attendance comes after a gap of three and a half years, during which representatives from the community had not physically participated in person in House proceedings," it said. Singh attributed the MLA duo's "positive step" to BJP-led govt's efforts to reduce the trust deficit among communities. "With collective efforts, Manipur can strive to walk the path to peace," Singh said.

Kuki Inpi Manipur has barred elected community representatives from venturing into Imphal Valley until Union and state govts accede to their demand for a separate administration for the hills. While violence involving Kuki and Meitei communities has ebbed, Manipur is firefighting escalating tensions between Naga and Kuki groups in the hills, mainly along the Imphal-Tamenglong Road corridor in Kangpokpi. Since May 13, at least 17 people from Kuki-Zo and Naga communities have died in instances of violence along the Kangpokpi-Tamenglong stretch.

Mahua slams rebel TMC MPs over delay in responding disqualification notices

New Delhi, Agency: Trinamool Congress MP Mahua Moitra on Wednesday slammed the party's rebel MPs for seeking additional time to respond to notices issued to them by the Lok Sabha secretariat.While talking to reporters, Mahua said that the rebel MPs' inability to respond within the stipulated period shows that they know they are in the wrong.

"We have filed 20 disqualification petitions against MPs who were elected on TMC tickets but joined hands with the BJP. The Lok Sabha Secretariat sent notices last week to them asking them to reply within seven days. The deadline is over, but they could not reply. Now they have sought another two-three weeks," Mahua said.

"We had written to the Lok Sabha Speaker in June. Why were they unable to reply in two months? Why does it take you more than one week to reply? If you ask me, I will not take so much time to reply," she added. "The wigs and masks have come off. Their shamelessness and betrayal are for everyone to

see," she said. This comes a day after TMC MP Sudip Bandhopadhyay said that the rebel MPs had sought an additional three weeks from the Lok Sabha secretariat to respond to notices issued on petitions filed by TMC national general secretary Abhishek Banerjee seeking their disqualification.

Last month, the Lok Sabha secretariat had issued notices to the MPs after the Supreme Court agreed to hear Abhishek Banerjee's plea seeking an expeditious decision by Speaker Om Birla on the disqualification petitions.

The rebel MPs are understood to be consulting lawyers before submitting their replies, with the additional time sought by them potentially extending the legal battle over their continuation as members of the House.

Kargil gets post office passport seva kendra to provide easier access to passport-related services

New Delhi, Agency: The post office passport seva kendra (POPSK) was inaugurated in Ladakh's Kargil on Wednesday to provide residents easier access to passport-related services, officials said. Minister of State for External Affairs and Environment, Forest and

Climate Change Kirti Vardhan Singh inaugurated it in the presence of Lieutenant Governor of Ladakh V K Saxena and Member of Parliament Mohmad Haneefa Jan.The POPSK, established under a memorandum of understanding (MoU) between the Department of Posts and Passport Seva, is aimed at bringing citizen-centric passport services closer to people in the remote and geographically challenging region of Ladakh, they said.

'Reprehensible act of vandalism': India condemns demolition of century-old Hindu temple in Pakistan, seeks probe

New Delhi, Agency: India on Wednesday expressed deep concern over reports of the destruction of a historic Hindu temple in Pakistan's Punjab province and called on the Pakistani government to conduct a prompt and transparent investigation into the incident.

Responding to media queries, ministry of external affairs spokesperson Randhir Jaiswal said India "unequivocally" condemned the reported vandalism of the century-old place of worship in Siraj village in Narowal.

"We have noted with deep concern the disturbing reports of the destruction of a historic Hindu temple in village Siraj, Narowal, Pakistan. We unequivocally condemn this reprehensible act of vandalism against a century old minority place of worship," Jaiswal said.

The MEA said the apparent failure of authorities to protect the temple was alarming and raised concerns over the safety and religious freedoms of minority communities in Pakistan.

"The apparent apathy of authorities and failure to protect this century-old temple is alarming. Such incidents are a stark reminder of the continuing vulnerability of minority communities and the egregious violations of their religious freedoms and places of worship in Pakistan," Jaiswal said.

India called upon Pakistan to investigate the incident and ensure that those responsible are held accountable.

"We call upon the Government of Pakistan to conduct a prompt and transparent investigation into this incident and ensure that those responsible are held fully accountable," the MEA spokesperson said.

India also urged Pakistan to take immediate steps to restore the temple and ensure the safety and security of minority communities and their cultural heritage.